

मध्यावधि चुनाव से पहले ट्रंप की मुश्किलें बढ़ीं, डेमोक्रेट्स को 12 अंकों की बढ़त

वॉशिंगटन। अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी की चुनौतियां बढ़ती दिखाई दे रही हैं। रॉयटर्स और इप्सोस के सर्वेक्षण में ट्रंप के काफ़ी कम से संतुष्ट लोगों की संख्या घटकर महज 31 प्रतिशत रह गई है, जबकि 69 प्रतिशत अमेरिकी उनके प्रदर्शन से असंतुष्ट हैं। यह ट्रंप के दोनों राष्ट्रपति कार्यकालों में उनकी लोकप्रियता का अब तक का सबसे निचला स्तर बताया गया है। दूसरी ओर, काँग्रेस के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने रिपब्लिकन पार्टी पर 12 अंकों की बढ़त बना ली है। चुनाव से पहले आए इन आंकड़ों ने रिपब्लिकन खेमे की चिंता बढ़ा दी है और डेमोक्रेट्स के लिए प्रतिनिधि सभा तथा सीनेट में अपनी स्थिति मजबूत करने की उम्मीद जगाई है।

सर्वेक्षण के अनुसार, यदि अभी कांग्रेस के चुनाव कराए जाएं तो 47 प्रतिशत पंजीकृत मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवारों को वोट देने की बात कह रहे हैं। इसके मुकाबले रिपब्लिकन पार्टी को 35 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन मिल रहा है। इस तरह दोनों दलों के बीच

12 प्रतिशत अंकों का अंतर दिखाई दे रहा है। इससे पहले हुए सर्वेक्षण में डेमोक्रेट्स को 44 प्रतिशत और रिपब्लिकन को 37 प्रतिशत समर्थन मिला था। नए आंकड़े बताते हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन बढ़ा है, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में मतदाताओं का रुझान कमजोर हुआ है। सर्वेक्षण में कुल 1,679 अमेरिकी नागरिकों को शामिल किया गया। ट्रंप के कामकाज को लेकर असंतोष का दायरा भी बढ़ा है। सर्वेक्षण में 31 प्रतिशत लोगों ने उनके प्रदर्शन पर संतुष्टि जताई, जबकि 69 प्रतिशत ने असहमति व्यक्त की। दो सप्ताह पहले की तुलना में उनकी लोकप्रियता में एक प्रतिशत अंक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, ट्रंप की आर्थिक नीतियों को लेकर भी असंतोष सामने आया है। सर्वेक्षण में 68 प्रतिशत लोगों ने उनकी आर्थिक नीतियों पर नाराजगी जताई। इससे संकेत मिलता है कि महंगाई, घरेलू खर्च और आर्थिक फैसलों को लेकर मतदाताओं की चिंताएं चुनावी माहौल को प्रभावित कर सकती हैं।

महिला मतदाताओं के बीच डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़त रिपब्लिकन पार्टी के लिए ख़ास चिंता का विषय बन गई है। सर्वेक्षण में करीब 50 प्रतिशत महिलाओं ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को वोट देने की इच्छा जताई, जबकि 32 प्रतिशत महिलाओं ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों का समर्थन किया। इस वर्ग में डेमोक्रेट्स को 18 अंकों की बढ़त मिली है। महिला मतदाताओं



है। सर्वेक्षण में करीब 50 प्रतिशत महिलाओं ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को वोट देने की इच्छा जताई, जबकि 32 प्रतिशत महिलाओं ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों का समर्थन किया। इस वर्ग में डेमोक्रेट्स को 18 अंकों की बढ़त मिली है। महिला मतदाताओं

का यह रुझान चुनावी मुकाबले में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पुरुष मतदाताओं के बीच भी डेमोक्रेटिक पार्टी आगे बताई गई है, जिससे रिपब्लिकन पार्टी के सामने समर्थन बढ़ाने की चुनौती और कठिन हो गई है।

ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट के पीछे आर्थिक परिस्थितियों और विदेश नीति को लेकर उठ रहे सवालों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ईरान के साथ संघर्ष और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों ने अमेरिकी परिवारों के बजट पर दबाव बढ़ाया है। ईधन महंगा होने

से परिवहन, रोजमर्रा की खरीदारी और अन्य घरेलू खर्चों पर असर पड़ता है। ऐसे में मतदाताओं के लिए आर्थिक मुद्दे अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यदि लोगों को लगता है कि सरकार उनकी आर्थिक परेशानियां दूर करने में सफल नहीं हो रही है, तो उसका असर सत्तारूढ़ दल के चुनावी समर्थन पर पड़ सकता है। ईरान के साथ सैन्य टकराव और उससे जुड़े खर्चों को लेकर भी अमेरिकी राजनीति में बहस तेज हो सकती है। विदेश नीति पर राष्ट्रपति के फैसलों का प्रभाव केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि ऊर्जा बाजार और आम नागरिकों के जीवन-यापन की लागत पर भी पड़ सकता है। पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि का असर विशेष रूप से उन परिवारों पर अधिक महसूस होता है, जिन्हें कामकाज, बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरतों के लिए नियमित रूप से वाहन का इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसे मुद्दे मध्यावधि चुनाव में मतदाताओं के फैसले को प्रभावित कर सकते हैं।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव चुनाव में मतदाताओं के फैसले को प्रभावित कर सकते हैं। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव चुनाव में मतदाताओं के फैसले को प्रभावित कर सकते हैं। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव चुनाव में मतदाताओं के फैसले को प्रभावित कर सकते हैं।

प्रतिनिधि सभा की सभी सीटों और सीनेट की एक हिस्से की सीटों के लिए मतदान कराया जाता है। इन चुनावों के परिणाम यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि राष्ट्रपति को कांग्रेस में अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कितना समर्थन मिलेगा। यदि विपक्षी दल प्रतिनिधि सभा या सीनेट में बहुमत हासिल कर लेता है, तो राष्ट्रपति के लिए कानून पारित कराना और अपनी प्राथमिकताओं को लागू करना अधिक कठिन हो सकता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की नजर इस बार दोनों सदनों में अपनी स्थिति मजबूत करने पर है। सर्वेक्षण में मिली बढ़त ने पार्टी के नेताओं और उम्मीदवारों को उम्मीद दी है, लेकिन इसे चुनाव के अंतिम नतीजे का संकेत नहीं माना जा सकता। मतदान से पहले मतदाताओं की प्राथमिकताएं बदल सकती हैं। उम्मीदवारों की लोकप्रियता, स्थानीय मुद्दे, चुनाव प्रचार, मतदान में भागीदारी और राज्यों के अलग-अलग राजनीतिक समीकरण भी परिणामों को प्रभावित करेंगे।

रिपब्लिकन पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट को रोकना और मतदाताओं

का भरोसा दोबारा हासिल करना है। आर्थिक नीतियों को लेकर असंतोष, पेट्रोल की कीमतें और विदेश नीति से जुड़े सवाल उसके चुनावी अभियान पर दबाव डाल सकते हैं। पार्टी को यह समझाना होगा कि उसके फैसलों से आम अमेरिकी परिवारों को किस तरह लाभ मिलेगा। वहीं, डेमोक्रेट्स के सामने सर्वेक्षण में मिले समर्थन को वास्तविक वोटों में बदलने की चुनौती होगी। यदि डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधि सभा या सीनेट में बहुमत हासिल करने में सफल रहती है, तो ट्रंप के कार्यकाल के शेष दो वर्षों में राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। विपक्ष राष्ट्रपति की नीतियों पर अधिक प्रभावी निगरानी रख सकेगा और विधायी प्रस्तावों पर उसका दबाव बढ़ेगा। हालांकि, चुनाव के वास्तविक परिणाम आने तक यह स्पष्ट नहीं होगा कि सर्वेक्षण में दिख रही बढ़त कितनी निर्णायक साबित होती है। फिलहाल आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं कि मध्यावधि चुनाव से पहले ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को मतदाताओं के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ सकती है।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने राधा गोविंद मंदिर में किए दर्शन, दिया धार्मिक सन्देश का संदेश

ढाका। बांग्लादेश में शारदीय दुर्गासप्तक के अवसर पर धार्मिक सन्देश और सामाजिक एकता का संदेश देते हुए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने मंगलवार को रंगपुर स्थित ऐतिहासिक राधा गोविंद धर्मसा मंदिर के दुर्गा पूजा पंडाल का दौरा किया। महानवमी के पानन अवसर पर मंदिर परिसर में पहुंचे प्रधानमंत्री का मंदिर समिति और स्थानीय धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। इस दौरान दुर्गा पूजा की तैयारियों, धार्मिक परंपराओं और उत्सव में शामिल श्रद्धालुओं के बीच विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रधानमंत्री का मंदिर दौरा ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब बांग्लादेश में विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच आपसी विश्वास, समान अधिकार और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है।



उनका अभिनंदन किया। दुर्गा पूजा बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के प्रमुख धार्मिक उत्सवों में शामिल है। शारदीय नवरात्र के दौरान विभिन्न मंदिरों और पूजा पंडालों में मां दुर्गा की आराधना की जाती है। महानवमी के दिन विशेष पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालु सुख, शांति और समृद्धि की कामना को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने इससे पहले तारगंज के चौपेथी इलाके में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए धार्मिक पहचान और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए समर्थन रखा। उन्होंने दोहराया कि धर्म किसी व्यक्ति का निजी मामला है, जबकि देश सभी नागरिकों का साझा है। उनके इस संदेश का मूल भाव यह था कि किसी नागरिक के अधिकार, सम्मान और अवसर उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर

तय नहीं होने चाहिए। उन्होंने बांग्लादेश के प्रत्येक नागरिक के लिए समान सम्मान और अधिकार सुनिश्चित करने का संकल्प भी व्यक्त किया। तारिक रहमान के इस वक्तव्य को धार्मिक विविधता वाले समाज में समान नागरिकता और आपसी सम्मान के महत्व से जोड़कर देखा जा रहा है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों के बीच धार्मिक, सामाजिक या सांस्कृतिक भिन्नताएं स्वाभाविक होती हैं। इन भिन्नताओं के बावजूद सभी नागरिकों को समान सुरक्षा, सम्मान और अधिकार उपलब्ध कराना शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानी जाती है। प्रधानमंत्री के बयान में इसी विचार पर जोर दिखाई दिया कि धार्मिक आस्था व्यक्तिगत जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय पहचान और नागरिक अधिकारों के मामले में सभी लोगों को बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हिंदू समुदाय की सांस्कृतिक परंपराओं

चूंड़ीगढ़। दशहरे के अवसर पर पंजाब की औद्योगिक राजधानी लुधियाना में इस बार रावण दहन को सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूकता अभियान से जोड़ा गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को शहर के दर्रेसी मैदान में 121 फुट ऊंचे 'नशा रूपी रावण' के पुतले का दहन किया। इस आयोजन के जरिए पंजाब को नशे की समस्या से मुक्त बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अमित शाह ने पंजाबवासियों के सामने नशामुक्त राज्य के निर्माण का संकल्प दोहराया और कहा कि दशहरे पर बुराई के प्रतीक पुतलों का दहन करने की परंपरा को समय की ज्वलंत समस्याओं से जोड़ना महत्वपूर्ण है। इस बार रावण के पुतले को नशे की बुराई का प्रतीक बनाया गया, ताकि समाज को इस चुनौती के खिलाफ एकजुट होने का संदेश दिया जा सके। लुधियाना के दर्रेसी मैदान में आयोजित दशहरा समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी के बीच 121 फुट ऊंचे पुतले का दहन किया गया। परंपरागत रूप से दशहरे पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाकर बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव मनाया जाता है। इस बार आयोजन में रावण को नशे की समस्या से जोड़कर एक विशेष सामाजिक संदेश देने की कोशिश की गई। नशे की लत से प्रभावित

परिवारों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों के ध्यान में रखते हुए यह संदेश दिया गया कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकारी कार्रवाई तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि इसमें परिवारों, सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि लुधियाना में पिछले 200 वर्षों से पुतला दहन की परंपरा चली आ रही है। उनके अनुसार, हर वर्ष यहां बुराई के प्रतीक पुतलों के माध्यम से किसी ज्वलंत समस्या को सामने लाने का प्रयास किया जाता है। इस बार नशे के खतरे का संकल्प लेकर रावण के पुतले को उसी बुराई का प्रतीक बनाया गया है। उन्होंने नशा रूपी रावण के दहन को नशे की समस्या के अंत के संकल्प से जोड़ा। आयोजन का उद्देश्य दशहरे के पारंपरिक संदेश को वर्तमान सामाजिक चुनौतियों के साथ जोड़ना रहा। पंजाब में नशे की समस्या लंबे समय से सामाजिक और प्रशासनिक चर्चा का विषय रही है। नशे की लत का असर केवल किसी एक व्यक्ति के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे परिवारों की आर्थिक स्थिति, बच्चों की पढ़ाई, रोजगार और सामाजिक संबंध भी प्रभावित हो सकते हैं। कई बार नशे की समस्या से जुड़ा रहे लोगों के सामाजिक दूरी और भेदभाव का सामना करना

पड़ता है, जिससे उनके लिए सामान्य जीवन में लौटना और कठिन हो जाता है। ऐसे में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान के साथ उपचार, परामर्श और पुनर्वास की सुविधाओं को मजबूत करना भी महत्वपूर्ण माना जाता है। नशामुक्त पंजाब का संकल्प पूरा करने के लिए कानून लागू करने वाली एजेंसियों की भूमिका के साथ-साथ समाज की भागीदारी भी अहम है। नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार पर कार्रवाई, युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता, स्कूल-कॉलेजों में रोकथाम संबंधी कार्यक्रम और प्रभावित लोगों के लिए उपचार की उपलब्धता इस चुनौती से निपटने के महत्वपूर्ण पहलू हैं। केवल नशे के खिलाफ संदेश देने से समस्या का पूरी तरह समाधान नहीं हो सकता; इसके लिए निरंतर प्रयास, प्रभावी निगरानी और प्रभावित लोगों को दोबारा समाज की मुख्यधारा में लाने की व्यवस्था भी जरूरी है।

प्रयास से किया जाना चाहिए। आयोजन के माध्यम से लोगों को यह संदेश देने का प्रयास हुआ कि जिस तरह दशहरे पर रावण के पुतले का दहन किया जाता है, उसी तरह समाज को नशे की समस्या को समाप्त करने के लिए भी ठोस कदम उठाने होंगे। लुधियाना में आयोजित यह समारोह धार्मिक परंपरा और सामाजिक जागरूकता के मेल का उदाहरण बना। दशहरे का पर्व हर वर्ष लोगों को बुराई से दूर रहने और अच्छे आचरण को अपनाने की प्रेरणा देता है। इस बार नशे को प्रतीकात्मक रावण के रूप में प्रस्तुत कर युवाओं के भविष्य और परिवारों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे को प्रमुखता दी गई। कार्यक्रम में व्यक्त नशामुक्त पंजाब से संकल्प को वास्तविक परिणामों में बदलने के लिए आवश्यक होगा कि जागरूकता के साथ-साथ रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और अवैध नशे के कारोबार पर कार्रवाई जैसे प्रयास भी लगातार जारी रहें। दर्रेसी मैदान में 121 फुट ऊंचे पुतले का दहन दशहरा समारोह का प्रमुख आकर्षण रहा। अमित शाह ने इसे नशे की बुराई के खतरे के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। आयोजन का व्यापक संदेश यही रहा कि सामाजिक बुराईयों के खिलाफ संघर्ष किसी एक दिन या समारोह तक सीमित नहीं होना चाहिए।

उड़ान योजना के दस साल पूरे, 1.49 करोड़ यात्रियों को मिला सस्ती हवाई यात्रा का लाभ

नई दिल्ली। छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने तथा आम लोगों के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई केंद्र सरकार की क्षेत्रीय संपर्क योजना 'उड़ान' ने दस साल पूरे कर लिए हैं। इस अवधि में योजना के तहत 1.49 करोड़ से अधिक यात्रियों ने हवाई सफर किया है। नागर विमानन मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी फैक्टशीट के अनुसार, उड़ान योजना के माध्यम से देश के 90 हवाई अड्डों को जोड़ते हुए 625 हवाई मार्गों पर सेवाएं शुरू की गईं। अब योजना के अगले चरण में 120 नए गंतव्यों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने की तैयारी है। सरकार का लक्ष्य इस विस्तार के लिए चार करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को किफायती हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना है। उड़ान योजना का उद्देश्य उन क्षेत्रों तक हवाई संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक विमान सेवाओं की उपलब्धता सीमित रही है या जहां हवाई यात्रा आम लोगों की पहुंच से बाहर मानी जाती थी। इस योजना के माध्यम से छोटे शहरों को बड़े व्यावसायिक केंद्रों से जोड़ने, यात्रा में लगने वाला समय कम करने और क्षेत्रीय विकास को गति देने की कोशिश की गई है। पिछले एक दशक में योजना के तहत शुरू हुई सेवाओं ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, इसके दीर्घकालिक प्रभाव इस बात पर भी निर्भर करेंगे कि शुरू किए गए मार्गों पर सेवाएं कितनी नियमित रहती हैं और यात्रियों को लगातार किफायती किराये का लाभ मिल पाता है या नहीं। नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार, उड़ान योजना के तहत 625 मार्गों पर सेवाओं की शुरुआत और 90 हवाई अड्डों का नेटवर्क से जुड़ना क्षेत्रीय विमानन के विस्तार का प्रमुख संकेत है। छोटे शहरों से हवाई यात्रा की सुविधा मिलने पर यात्रियों को बड़े शहरों तक पहुंचने के लिए सड़क या रेल मार्ग पर लंबी दूरी तय करने की जरूरत



कम हो सकती है। इससे व्यापारियों, पर्यटकों, विद्यार्थियों और कामकाज के सिलसिलों में यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा मिलती है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए हवाई संपर्क महत्वपूर्ण हो सकता है, जहां भौगोलिक परिस्थितियों या लंबी दूरी के कारण आवागमन चुनौतीपूर्ण रहता है। योजना के अगले चरण में 120 नए गंतव्यों को जोड़ने का लक्ष्य क्षेत्रीय विमानन के दायरे को और व्यापक बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इसके तहत चार करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को किफायती हवाई सफर का लाभ देने की तैयारी है। नए गंतव्यों को जोड़ने से उन शहरों और क्षेत्रों को भी विमान सेवाओं से जोड़ने का अवसर मिलेगा, जहां अभी हवाई संपर्क का विस्तार किया जाना बाकी है। इससे स्थानीय आर्थिकव्यवस्था को बढ़ावा देने और नए व्यावसायिक अवसर पैदा करने की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं। हवाई संपर्क का सीधा संबंध पर्यटन क्षेत्र से भी है। किसी शहर या पर्यटन स्थल तक पहुंचना आसान होने पर वहां घरेलू पर्यटकों की आवाजाही बढ़ सकती है। इससे होटल, परिवहन, खानपान, स्थानीय

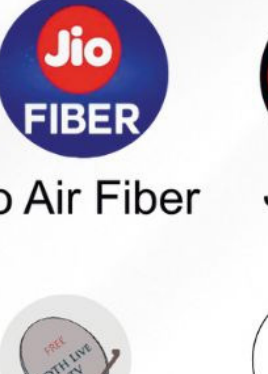
हस्तशिल्प और अन्य छोटे व्यवसायों को लाभ मिलने की संभावना रहती है। इसी तरह, बेहतर हवाई संपर्क से कारोबारी गतिविधियों को गति मिल सकती है और उद्योगों को नए बाजारों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इन लाभों को स्थायी बनाने के लिए हवाई अड्डों की सुविधाओं, परिवहन संपर्क और स्थानीय पर्यटन ढांचे का विकास भी जरूरी है। देश में हवाई अड्डों की संख्या में हुई वृद्धि भी विमानन क्षेत्र के विस्तार को दर्शाती है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2014 में देश में 74 हवाई अड्डे थे, जबकि 2024 तक इनकी संख्या बढ़कर 159 हो गई। इस तरह एक दशक में हवाई अड्डों की संख्या दोगुने से अधिक हो गई। सरकार ने अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे विकसित करने का लक्ष्य भी रखा है। इस विस्तार से देश के अधिक हिस्सों को हवाई संपर्क उपलब्ध कराने और क्षेत्रीय विमानन के लिए बुनियादी ढांचा मजबूत करने की कोशिश की जा रही है।

हवाई अड्डों की संख्या बढ़ने के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि उनका संचालन आर्थिक रूप से टिकाऊ रहे और यात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं मिलें। छोटे शहरों में हवाई सेवाओं की सफलता के लिए यात्रियों की मांग, विमान कंपनियों की उपलब्धता, परिचालन लागत और नियमित उड़ानों की निरंतरता जैसे कारक महत्वपूर्ण हैं। यदि किसी मार्ग पर पर्याप्त यात्री मिलते हैं और सेवाएं नियमित रूप से संचालित होती हैं, तो उससे स्थानीय संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को लंबे समय तक लाभ मिल सकता है। उड़ान योजना के दस वर्ष पूरे होना क्षेत्रीय हवाई संपर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 1.49 करोड़ से अधिक यात्रियों की हवाई यात्रा, 625 मार्गों पर सेवाओं की शुरुआत और 90 हवाई अड्डों का जुड़ाव इस पहल के दायरे को रेखांकित करता है। अब 120 नए गंतव्यों को जोड़ने और चार करोड़ अतिरिक्त यात्रियों तक पहुंचने का लक्ष्य इससे अगले चरण की दिशा तय करेगा। योजना की सफलता इस बात से आंकी जाएगी कि नए क्षेत्रों में हवाई सेवाएं कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचती हैं, किराये कितने किफायती बने रहते हैं और आम यात्रियों को इन सुविधाओं का कितना व्यापक लाभ मिलता है।



नवसर्जन संस्कृति

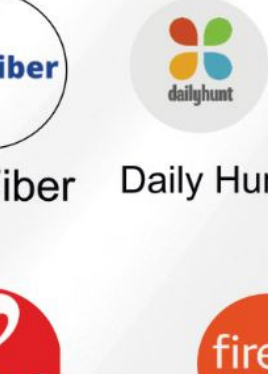
हिन्दी



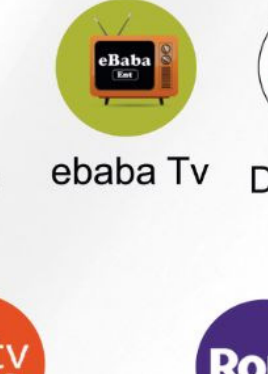
Jio Air Fiber



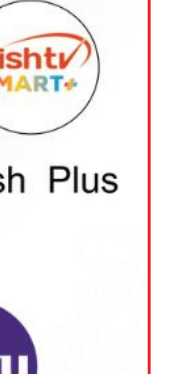
Jio tv +



Jio Fiber



Daily Hunt



ebaba Tv

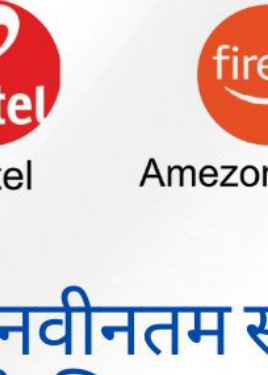
Dish Plus



DTH live OTT



Rock TV



Airtel



Amezone Fire



Roku Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही नवसर्जन संस्कृति हिंदी चैनल देखिये



संपादकीय

टाइगर पर हमले से सुरक्षा-खामियां उजागर

देश में कानून-व्यवस्था के समांतर अपराध की सत्ता चलाने वाले गिरोहों का इतिहास पुराना रहा है। बेशक समय के साथ अपराधी संगठनों के नामकरण और अपराध के तौर-तरीके जरूर बदले हों, लेकिन उनका खोफ गाहे-बगाहे बना रहा। कभी मुंबई हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंगस्टर्स का दखल बढ़ रहा है। रविवार को बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। जो बताता है कि गैंगस्टर कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहले भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निर्माता गैंगस्टर्स के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह सराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोटा रेलवे स्टेशन से तीन सड़िग्ध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन अभियुक्तों की गिरफ्तारियों से टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के पीछे के आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिल सकेगी। निश्चय ही इस दिशा में कोशिशें तेज करने की जरूरत है। मुंबई पुलिस के लिये ये गिरफ्तारियां और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं क्योंकि इससे पहले कई फिल्मी सितारों को गैंगस्टर्स की तरफ से धमकियां दी जाती रही हैं। जिनमें फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी और फिल्म स्टार सलमान खान को डराने के लिये भी गोलीबारी की घटनाएं विगत में हो चुकी हैं। निस्संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूले तथा हिंसा की इस्का-कच्चा घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं। यदि समय रहते ऐसे गैंगस्टर्स की कम्म नहीं तोड़ी जाती तो ये समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खंभियाजा कालांतर कानून-व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगतना पड़ेगा। दरअसल, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हमले के संदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेस बिस्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यहां उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए लॉरेस बिस्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेस बिस्नोई का नाम गाहे-बगाहे विभिन्न अपराधों में संलिप्तता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय बताये जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है। कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, करमबीर सिंह को कनाडा से डिपोट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेस बिस्नोई के भाई अगमोले को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच सांठगांठ से जुड़ा बताया जाता है। बहरहाल, टाइगर पर हमले वाली घटना सार्वजनिक सुरक्षा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अगर हमलावर मुंबई के एक बेहद भीड़-भाड़ वाले इलाके में किसी सेंसिटिविटी पर गोली चलाकर फरार हो सकते हैं और अपराध करने के बाद राज्य की सीमा से बाहर चले जाते हैं, तो यह सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल है। यह घटनाक्रम खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था और पुलिस की एहतियाती कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। आपराधिक गिरोहों को कानूनी व्यवस्था की खामियों का लाभ उठाने से रोकने के लिये देश के विभिन्न राज्यों के बीच लगातार सहयोग होना जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सूचना को लेकर तालमेल उतना ही जरूरी है, क्योंकि अपराधी गिरोह बेखोफ होकर सीमाओं के पार भी अपनी गतिविधियां बेरोक-टोक चला रहे हैं। निश्चित रूप से बॉलीवुड सितारों और अन्य विशिष्ट लोगों को चाकचौबंद सुरक्षा मिलनी ही चाहिए। लेकिन हर आम आदमी को भी सुरक्षा पाने का हक है। निस्संदेह, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को चुनौती देने वाले इन गिरोहों की कम्म तोड़ना राज्य सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अभियान

उत्तराखंड की पवित्र नगरी हरिद्वार केवल गंगा के घाटों और कुंभ मेले के लिए ही प्रसिद्ध नहीं है, बल्कि यहां अनेक ऐसे प्राचीन धार्मिक स्थल हैं, जिनका संबंध हिंदू धर्म की महत्वपूर्ण पौराणिक कथाओं से जुड़ा हुआ है। इन्हीं पवित्र स्थलों में कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर का विशेष स्थान है। भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर माता सती और उनके पिता राजा दक्ष प्रजापति की कथा के कारण विशेष धार्मिक महत्व रखता है। मान्यता है कि इसी स्थान पर राजा दक्ष ने विशाल यज्ञ का आयोजन किया था, जहां अपने पति भगवान शिव के अपमान से व्यथित होकर माता सती ने यज्ञ की अग्नि में अपने प्राण त्याग दिए थे। इस घटना के बाद भगवान शिव के क्रोध, वीरभद्र के प्राकट्य और राजा दक्ष के पुनर्जीवन की कथा भी इसी पौराणिक प्रसंग से जुड़ी हुई है। हरिद्वार आने वाले श्रद्धालु गंगा स्नान और अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन के साथ दक्षेश्वर महादेव मंदिर में भी शीश नवाते हैं। सावन के महीने और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां विशेष चहल-पहल रहती है तथा दूर-दूर से श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हरिद्वार के कनखल क्षेत्र में स्थित यह मंदिर शिवभक्तों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है। इसे दक्ष प्रजापति मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक परंपराओं में कनखल को भगवान शिव और माता सती से संबंधित

संवैधानिक संस्थाओं की साख पर हमला

“ मोदी सरकार की वैधता को चुनौती देने के लिए संवैधानिक संस्थाओं के काम पर सवाल उठाने की रणनीति राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और उसके गठबंधन ने उसके पहले कार्यकाल से ही अपना ली थी।

प्रेरणा

मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी शक्ति उसका वह विश्वास है, जो कठिन से कठिन परिस्थिति में भी उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। जब रास्ते बंद दिखाई देते हैं, परिस्थितियां साथ छोड़ देती हैं और उम्मीद की किरण धुंधली पड़ने लगती है, तब मनुष्य के भीतर का संकल्प ही उसे नई राह खोजने का साहस देता है। जीवन में हर व्यक्तित्व के सामने चुनौतियां आती हैं, लेकिन उन चुनौतियों का सामना करने का तरीका ही उसके भविष्य की दिशा तय करता है। कुछ लोग कठिनाइयों को अपनी कमजोरी मानकर पीछे हट जाते हैं, जबकि कुछ लोग उन्हीं कठिनाइयों को अपनी ताकत बनाकर आगे बढ़ते हैं। अंतर केवल दृष्टिकोण का होता है। सफलता उन्हीं लोगों को मिलती है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए धैर्य, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ निरंतर प्रयास करते रहते हैं।

एक प्रेरक प्रसंग में भगवान बुद्ध के शिष्य आनंद ने उनसे पूछा कि संसार में सबसे बड़ी शक्ति किसकी है। इस प्रश्न के उत्तर में भगवान बुद्ध ने प्रकृति के विभिन्न तत्वों का उदाहरण देते हुए समझाया कि पथर मजबूत दिखाई देता है, लेकिन लोहे का थैथोड़ा उसे तोड़ सकता है। लोहा कठोर होता है, परंतु अग्नि उसे पिघला सकती है। अग्नि को जल शांत कर सकता है और जल से बर बादलों को वायु अपनी दिशा में बहाकर ले जाती है। इस प्रकार प्रकृति में प्रत्येक शक्ति की अपनी सीमा होती है और परिस्थितियों के अनुसार उसकी प्रभावशीलता बदलती रहती है। इस उदाहरण का सार यह है कि बाहरी शक्ति हमेशा निर्णायक नहीं

अभियान

कनखल का दक्षेश्वर महादेव मंदिर, जहां माता सती के आत्मदाह से जुड़ी है पौराणिक कथा

महत्वपूर्ण तीर्थस्थल माना गया है। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु मंदिर की धार्मिक महत्ता के साथ उस पौराणिक प्रसंग को भी याद करते हैं, जिसने शिवभक्ति, दायपत्य सम्मान और अहंकार के परिणामों से जुड़ी अनेक शिक्षाओं को जन्म दिया। मंदिर का वातावरण श्रद्धालुओं को प्राचीन भारतीय धार्मिक परंपराओं से जोड़ता है। पूजा-अर्चना, मंत्रोच्चार और भगवान शिव के जरकारों के बीच भक्त अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। इस स्थल की विशेषता यह है कि यहां दर्शन करने वाला व्यक्ति केवल एक शिवमंदिर में पूजा नहीं करता, बल्कि माता सती के त्याग और भगवान शिव के प्रति उनकी अटूट निष्ठा की कथा का भी स्मरण करता है। पौराणिक कथा के अनुसार, राजा दक्ष प्रजापति भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्रों में से एक माने जाते हैं। उनकी पुत्री सती का विवाह भगवान शिव से हुआ था। माता सती भगवान शिव को अपने आराध्य और जीवनसाथी के रूप में अत्यंत प्रेम करती थीं, लेकिन राजा दक्ष को उनका विवाह पसंद नहीं था। पौराणिक मान्यताओं में बताया गया है कि दक्ष भगवान शिव के वैरागी स्वरूप, उनकी कनखल शैली और उनके गणों को लेकर अहंज रहते थे। इसी कारण उनके मन में भगवान शिव के प्रति सम्मान की कमी थी। एक समय राजा दक्ष ने कनखल में विशाल यज्ञ का आयोजन किया। इस धार्मिक

राष्ट्रीय संस्थाओं की साख भी मोती और मनुष्य की आव जैसी होती है कि एक बार गई तो बहाल नहीं होती। विशेषकर संवैधानिक और नियामक संस्थाओं की साख, जिन पर लोकतंत्र की इमारत टिकी है। देश की स्थिरता के लिए इनकी साख बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन लोकतंत्र में सत्ता दो ही तरह से हासिल की जा सकती है। सरकार की विफलताएं उजागर करते हुए जनता के सामने बेहतर नीतियां रखकर या फिर जिन संवैधानिक संस्थाओं के सहारे देश चल रहा है, उनके कामकाज की वैधता पर सवाल उठाकर। विपक्ष की रणनीति यही लगती है। उसका उद्देश्य तथ्य और प्रमाण रखे बिना संवैधानिक संस्थाओं के निर्णयों पर जनता के मन में केवल संदेह पैदा करना है। जैसे अदालतों में बचाव पक्ष अभियोग पक्ष के आरोपों पर संदेह पैदा करता है। उसे आशा है कि बाकी का काम जूरी की तरह जनता कर देगी और उनकी राह आसान हो जाएगी।

मोदी सरकार की वैधता को चुनौती देने के लिए संवैधानिक संस्थाओं के काम पर सवाल उठाने की रणनीति राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और उसके गठबंधन ने उसके पहले कार्यकाल से ही अपना ली थी। नोटबंदी और फ्रांस के साथ हुए राफेल विमान सौदे पर विपक्ष ने महालेखापरीक्षक कैंग पर आडिट रिपोर्ट सरकार की सुविधानुसार जारी करने के आरोप लगाए। राफेल सौदे में घूसखोरी साबित न होने पर भी राहुल गांधी ने केवल ‘चौकीदार चोर है’ जैसे आरोप लगाते रहे, बल्कि यह आभास देने की कोशिश भी की कि जैसे सर्वोच्च अदालत उनके आरोपों से सहमत थी। उसके बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा के लिए मनोनीत

अभियान

हौसलों की उड़ान से मिलती है मंजिल

होती। मनुष्य की आंतरिक क्षमता, उसका विवेक और किसी उद्देश्य को पूरा करने की लगन उसे कठिन परिस्थितियों में भी रास्ता तलाशने की प्रेरणा देते हैं। इच्छाशक्ति का वास्तविक अर्थ केवल मन में कोई इच्छा पैदा कर लेना नहीं है। इसका अर्थ है अपने उद्देश्य को पहचानना, उसके लिए जिम्मेदारी स्वीकार करना और कठिनाइयों के बावजूद प्रयास करते रहना। बहुत से लोग अपने जीवन में बड़ा बदलाव लाना चाहते हैं, लेकिन जब मेहनत करने का समय आता है, तो वे बहाने तलाशने लगते हैं। कभी समय की कमी, कभी संसाधनों का अभाव और कभी दूसरों की आलोचना उन्हें रोक देती है। इसके विपरीत, संकल्पवान व्यक्ति अपनी सीमाओं को पहचानते हुए उपलब्ध साधनों का बेहतर उपयोग करना सीखता है। वह जानता है कि हर परिस्थिति उसके अनुकूल नहीं होगी, फिर भी वह अपने प्रयासों से परिस्थितियों को बेहतर बनाने की कोशिश कर सकती है। जीवन में सफलता पाने के लिए धैर्य का होना भी आवश्यक है। आज के समय में लोग कम मेहनत में जल्दी परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं। जब अपेक्षित सफलता तुरंत नहीं मिलती, तो उनका उत्साह कम होने लगता है। लेकिन प्रकृति का नियम है कि महत्वपूर्ण परिवर्तन धीरे-धीरे होते हैं। बीज बोने के बाद पड़े बरने में समय लगता है और निरंतर देखभाल के बिना पौधा विकसित नहीं हो सकता। इसी प्रकार किसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए नियमित प्रयास करना पड़ता है। विद्यार्थी को अच्छी तैयारी के लिए पढ़ना पड़ता है, खिलाड़ी

असहनीय था। उन्होंने राजा दक्ष को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उनका क्रोध और अहंकार कम नहीं हुआ। पौराणिक वर्णन के अनुसार, माता सती ने अनुभव किया कि निमंत्रण का अभाव नहीं था, बल्कि पौराणिक कथा में इसे भगवान शिव के प्रति राजा दक्ष की उपेक्षा और अहंकार के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। जब माता सती को अपने पिता के यज्ञ के आयोजन की जानकारी मिली, तो उन्होंने वहां जाने की इच्छा व्यक्त की। भगवान शिव ने उन्हें समझाया कि जहां आमंत्रण न मिला हो और सम्मान की भावना न हो, वहां जाना उचित नहीं है। लेकिन माता सती अपने पिता के घर जाने के विचार पर अडिग रहीं। उन्हें विश्वास था कि पुत्री को अपने पिता के घर जाने के लिए औपचारिक निमंत्रण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। अंततः भगवान शिव ने उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए उन्हें यज्ञ स्थल पर जाने की अनुमति दे दी। माता सती जब वहां पहुंचीं, तो उन्होंने देखा कि यज्ञ में उपस्थित लोगों का स्वागत किया जा रहा था, लेकिन उनके पति भगवान शिव के लिए न उचित सम्मान था और न ही आदर का पात्र। राजा दक्ष ने भी भगवान शिव के प्रति अपमानजनक व्यवहार किया। यह देखकर माता सती अत्यंत दुखी हो गईं।

माता सती के लिए भगवान शिव का अपमान



करने को लेकर विवाद उठा। उसे राम मंदिर मामले में निर्णय देने का पुरस्कार बताया गया। सरकार ने रंगनाथ मिश्रा को राज्यसभा में निर्वाचित कराने जैसे पुराने निर्णयों की याद दिलाकर बचाव करने के लिए संवैधानिक संस्थाओं के काम पर सवाल उठाने की रणनीति राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और उसके गठबंधन ने उसके पहले कार्यकाल से ही अपना ली थी। नोटबंदी और फ्रांस के साथ हुए राफेल विमान सौदे पर विपक्ष ने महालेखापरीक्षक कैंग पर आडिट रिपोर्ट सरकार की सुविधानुसार जारी करने के आरोप लगाए। राफेल सौदे में घूसखोरी साबित न होने पर भी राहुल गांधी ने केवल ‘चौकीदार चोर है’ जैसे आरोप लगाते रहे, बल्कि यह आभास देने की कोशिश भी की कि जैसे सर्वोच्च अदालत उनके आरोपों से सहमत थी। उसके बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा के लिए मनोनीत

अभियान

हौसलों की उड़ान से मिलती है मंजिल

को अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए अभ्यास करना पड़ता है और किसी व्यवसाय को सफल बनाने के लिए अनुभव तथा मेहनत की जरूरत होती है। केवल इच्छा रखने से परिणाम नहीं बदलते, बल्कि इच्छा को कर्म में बदलने से परिवर्तन की शुरुआत होती है। असफलता भी जीवन का एक महत्वपूर्ण अनुभव है। कई बार मनुष्य पूरी मेहनत करने के बाद भी अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाता। ऐसे समय में निराश होना स्वाभाविक है, लेकिन निराशा को स्थायी बना लेना उचित नहीं। असफलता हमें यह समझाने का अवसर देती है कि हमारी तैयारी में कहां कमी रह गई और किन तरीकों में बदलाव की आवश्यकता है। यदि कोई व्यक्ति हर असफलता के बाद प्रयास को छोड़ दे, तो वह अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान ही नहीं पाएगा। इसके विपरीत, जो व्यक्ति अपनी गलतियों का विश्लेषण करता है और उनसे सीखकर दोबारा शुरुआत करता है, उसका अनुभव बढ़ता जाता है। इस तरह असफलता भी सफलता की यात्रा में उपयोगी भूमिका निभा सकती है। दृढ़ संकल्प का प्रभाव केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार और समाज पर भी पड़ता है। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी जिम्मेदारी से काम करता है, तो उसके व्यवहार से दूसरों को प्रेरणा मिलती है। माता-पिता अपने बच्चों को मेहनत और ईमानदारी का महत्व सिखाते हैं, शिक्षक विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास के लिए प्रोत्साहित करते हैं और समाज के जिम्मेदार लोग अपने आचरण से दूसरों के सामने

कथा के अनुसार, वीरभद्र ने राजा दक्ष को शोक और भय से भर दिया। भगवान शिव का क्रोध इतना प्रबल बनाया गया है कि उनके तांडव से सृष्टि के संतुलन पर संकट उत्पन्न होने लगा। देवताओं को भय हुआ कि यदि उनका क्रोध शांत नहीं हुआ, तो संसार में विनाशकारी स्थिति पैदा हो सकती है। इसके बाद देवताओं और ऋषियों ने भगवान शिव से शांत होने तथा सृष्टि की व्यवस्था को पुनः स्थापित करने की प्रार्थना की। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव ने अंततः अपना क्रोध शांत किया। उन्होंने राजा दक्ष के धड़ पर बकरे का सिर लगाकर उन्हें फिर से जीवन प्रदान किया। पुनर्जीवन प्राप्त करने के बाद राजा दक्ष को अपनी भूल का बोध हुआ और उन्होंने भगवान शिव से क्षमा मांगी। इस प्रसंग को इस संदेश से भी जोड़ा जाता है कि अहंकार मनुष्य को विवेकहीन बना सकता है और दूसरों का अपमान अंततः स्वयं उसके लिए दुख का कारण बनता है। भगवान शिव का राजा दक्ष को जीवनदान देना करुणा, क्षमा और सृष्टि के संतुलन से वीरभद्र को उत्पन्न किया और उसे राजा दक्ष के यज्ञ को नष्ट करने का आदेश दिया। वीरभद्र अपने गणों के साथ यज्ञ स्थल पर पहुंचे और वहां भीषण उत्पात मचाया। यज्ञ की व्यवस्था भंग हो गई और राजा दक्ष को उनके अहंकार का परिणाम भुगतना पड़ा।

न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने सरकारी सिफारिश से नियुक्ति की परंपरा को समाप्त करते हुए नियुक्ति के लिए एक तीन सदस्यीय अंतरिम समिति का गठन किया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष को शामिल किया गया। मोदी सरकार ने उसी साल दिसंबर में विधेयक पारित करके इस समिति में मुख्य न्यायाधीश की जगह प्रधानमंत्री द्वारा नामित कैबिनेट मंत्री को दे दी। सरकार का यह कदम चुनाव आयोग जैसी संस्था राष्ट्रीय स्तर पर सारे चुनाव कराती है और स्वायत्त रूप से काम करती है। इसलिए उसका निरंतर या फिर अप्रत्याशित हार से हताश विपक्ष के निशाने पर आना स्वाभाविक है। यहां उल्लेखनीय है कि 2023 तक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल की सिफारिश से होती थी, जिसकी वजह से आयोग पर सरकार के दबाव में काम करने के आरोप लगते रहते थे। मार्च 2003 में सर्वोच्च

न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने सरकारी सिफारिश से नियुक्ति की परंपरा को समाप्त करते हुए नियुक्ति के लिए एक तीन सदस्यीय अंतरिम समिति का गठन किया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष को शामिल किया गया। मोदी सरकार ने उसी साल दिसंबर में विधेयक पारित करके इस समिति में मुख्य न्यायाधीश की जगह प्रधानमंत्री द्वारा नामित कैबिनेट मंत्री को दे दी। सरकार का यह कदम चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर विपक्ष के संदेह की जड़ बन गया। ऐसे माहौल में बिहार, बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों के चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के शोधन की एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी ने संदेह की आग में घी का काम किया। लोकतंत्र में जितना जरूरी सार्वक चर्चा नहीं हो पाती। ऐसे

अभियान

उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। इन सभी प्रयासों के पीछे किसी उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना होती है। इसलिए इच्छाशक्ति केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों का साधन नहीं, बल्कि सामूहिक प्रगति का आधार भी बन सकती है। अपने संकल्प को मजबूत बनाने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि व्यक्ति अपनी क्षमता और परिस्थितियों के अनुसार लक्ष्य तय करे। लक्ष्य इतना स्पष्ट होना चाहिए कि उसके लिए आवश्यक कदमों की पहचान की जा सके। इसके बाद प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा काम करने की आदत विकसित करनी चाहिए। समय का सदुपयोग, अनुशासन और नियमित आत्ममूल्यांकन व्यक्ति को अपने रास्ते पर बनाए रखते हैं। साथ ही, अपनी तुलना दूसरों से करने के बजाय स्वयं में होने वाले सुधार पर ध्यान देना चाहिए। यदि किसी काम में कठिनाई आती है, तो सहायता मांगने या नया तरीका अपनाने में संकोच नहीं करना चाहिए। मजबूत इच्छाशक्ति का अर्थ हर काम अकेले करना नहीं, बल्कि अपने उद्देश्य के प्रति जिम्मेदार बने रहना है। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हौसला बनाए रखने का मतलब अपनी शारीरिक और मानसिक सीमाओं की अनदेखी करना नहीं है। निरंतर मेहनत के साथ विश्राम, स्वास्थ्य और संतुलित दिनचर्या भी आवश्यक हैं। कभी-कभी कुछ समय रुककर अपनी स्थिति का आकलन करना आगे बढ़ने के लिए बेहतर साबित होता है। यदि कोई परिणाम नहीं दे रहा है, तो दिशा बदलना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है।

पहुंचकर उस घटना का स्मरण करते हैं, जिसे माता सती के आत्मदाह से जोड़ा जाता है। मंदिर में भगवान शिव के शिवलिंग की पूजा-अर्चना की जाती है और भक्त जल, बेलपत्र, पुष्प तथा अन्य पूजन सामग्री अर्पित करते अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। सावन के महीने में शिवभक्तों की संख्या बढ़ जाती है। महाशिवरात्रि पर भी विशेष पूजा और श्रद्धालुओं की आवश्यकता है। हालांकि, दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। धार्मिक अवसरों पर मंदिर परिसर में भक्ति का वातावरण दिखाई देता है। हालांकि यज्ञ कुंड और मंदिर से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं को संतुष्ट करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। मंदिर के निकट गंगा नदी से जुड़ा दक्ष घाट भी श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण है। गंगा को अर्पित करने में अत्यंत पवित्र नदी माना जाता है और यहां आने वाले अनेक भक्त मंदिर में दर्शन करने से पहले घाट पर स्नान करते हैं। उनकी मान्यता है कि गंगा स्नान से मन को शांति मिलती है और धार्मिक यात्रा की शुरुआत पवित्र भाव से होती है। घाट का वातावरण श्रद्धालुओं को ध्यान, प्रार्थना और आत्मचिंतन का अवसर देता है। हरिद्वार के धार्मिक भूगोल में कनखल का विशेष स्थान है, क्योंकि यहां गंगा की पवित्रता और शिवभक्तों से जुड़ी परंपराएं एक साथ दिखाई देती हैं।

वैध मतदाताओं के मताधिकार को सुनिश्चित करना होता है। कटे नामों में मतकों और विस्थापितों को छोड़कर कितने अवैध और घुसपैटिए थे, इसका आंकड़ा आयोग अभी तक नहीं दे पाया। हालांकि, हजारों वैध वोटों के नाम कटने के मामले सामने आए हैं, जिनमें तमाम गणमान्य लोग भी हैं। आनलाइन वोट पंजीकरण फार्म में अर्हता प्रमाणित करने के अनुच्छेद में तीनों आयुक्तों की सहमति थी या नहीं इसे लेकर और सूची से नाम कटवाने के लिए कोई कितने फार्म भर सकता था, इसे लेकर संदेह बना हुआ है। पता नहीं आयोग यह जानते हुए भी क्यों चुपची साधे है कि जनादेश की विश्वसनीयता उसकी साख पर टिकी है और सरकार की साख जनादेश की विश्वसनीयता पर, जिसके बिना कोई भी सरकार सुधार करना तो दूर सामान्य कामकाज भी नहीं चला सकती। साख का यह संकट चुनाव आयोग और सर्वोच्च न्यायालय तक ही सीमित नहीं है। संसद में विपक्षी हो-हल्ले और नारेबाजी की वजह से देश के लिए आवश्यक आर्थिक और सामाजिक सुधारों को छोड़ गंभीर चुनौतियों और समस्याओं पर भी कोई सार्थक चर्चा नहीं हो पाती। ऐसे कैसे विकसित राष्ट्र का सपना पूरा हो

के लिए अतिरिक्त सूचना के अनुच्छेद में तीनों आयुक्तों की सहमति थी या नहीं इसे लेकर और सूची से नाम कटवाने के लिए कोई कितने फार्म भर सकता था, इसे लेकर संदेह बना हुआ है। पता नहीं आयोग यह जानते हुए भी क्यों चुपची साधे है कि जनादेश की विश्वसनीयता उसकी साख पर टिकी है और सरकार की साख जनादेश की विश्वसनीयता पर, जिसके बिना कोई भी सरकार सुधार करना तो दूर सामान्य कामकाज भी नहीं चला सकती। साख का यह संकट चुनाव आयोग और सर्वोच्च न्यायालय तक ही सीमित नहीं है। संसद में विपक्षी हो-हल्ले और नारेबाजी की वजह से देश के लिए आवश्यक आर्थिक और सामाजिक सुधारों को छोड़ गंभीर चुनौतियों और समस्याओं पर भी कोई सार्थक चर्चा नहीं हो पाती। ऐसे कैसे विकसित राष्ट्र का सपना पूरा हो

हिमालय को बचाने के लिए वैज्ञानिक निगरानी जरूरी

नेपाल में गत 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद वैज्ञानिकों ने अभी किसी एक कारण को निर्णायक रूप से हिमालय के लिए खतरे की घंटी है। जिस पहाड़ के टूटने से नेपाल और चीन में हजारों लोग मारे गए अथवा लापता हो गए, वह आपदा से कई सप्ताह पहले ही खिसकने लगा था। यूरोपीय सेंटिनल-1 उपग्रह ने 48 दिनों के दौरान उसकी सतह में 40 सेंटीमीटर तक का संचलन दर्ज किया था। इसका अर्थ है कि पहाड़ के भीतर बढ़ती अस्थिरता के संकेत अंतरिक्ष से मिल रहे थे, लेकिन उन्हें समय रहते प्रभावी चेतावनी में नहीं बदला जा सका। यह खुलासा इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की 13 अक्तूबर को जारी वैज्ञानिक रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, 26 अगस्त की सुबह लगभग 8:37 बजे नेपाल के रसुवा क्षेत्र में 7,227 मीटर ऊंचे लांगगंग लिगंग पर्वत के उत्तरी हिस्से से लगभग 13.2 करोड़ घनमीटर चट्टान और हिमनद की बर्फ टूटकर नीचे आ गिरी। करीब 1,200 मीटर नीचे लहेंदे खोला घाटी में गिरते ही यह विशाल द्रव्यमान चट्टानों, बर्फ, मिट्टी और पानी के प्रचंड प्रवाह में बदल गया। विनाशकारी मलबा-बाढ़ नेपाल-चीन सीमा से गुजरती हुई भोटेकोशी और त्रिशूली नदी घाटियों में फैल गई। इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि दूरस्थ भूकंपीय उपकरणों ने भी कंपन दर्ज किया।इस वैज्ञानिक अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष उपग्रह से प्राप्त आंकड़े हैं। सेंटिनल-1 की उड़ार तकनीक ने 7 जुलाई से 24 अगस्त के बीच पर्वतीय ढलान में क्रमिक परिवर्तन दर्ज किया। इस तकनीक को इंटरफेरोमेट्रिक सिंथेटिक अपरचर रडार कहा जाता है। इसके माध्यम से बालूओं और अंधेरे की परिस्थितियों में भी धरातल की सूक्ष्म हलचलों का आकलन संभव है। हालांकि, 40 सेंटीमीटर का ऊंचड़ा उपग्रह की दृष्टिरेखा की दिशा में मापा गया संचलन है, न कि पहाड़ के वास्तविक विस्थापन का संपूर्ण माप। फिर भी, यह बढ़ती अस्थिरता का एक महत्वपूर्ण संकेत था। वैज्ञानिकों ने एक अन्य धारणा में भी संशोधन किया है। प्रारंभ में इस बाढ़ को हिमनद झील के फटने की घटना माना जा रहा था, लेकिन अध्ययन के अनुसार, इसका प्रमुख कारण आधारशिला का व्यापक रूप से टूटना था। चट्टानें अपने ऊपर स्थित हिमनद की बर्फ को साथ लेकर नीचे गिरीं और इससे विनाशकारी मलबा प्रवाह उत्पन्न हुआ। वैज्ञानिकों ने कई संभावित कारणों की पहचान की है। इनमें भूगर्भीय द्रारें, वर्ष 2015 के नेपाल भूकंप से उत्पन्न क्षति, स्थायी रूप से जमी भूमि का पिघलना, हिमनदों में परिवर्तन और बर्फ के भार में उतार-चढ़ाव शामिल हैं। बढ़ता तापमान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जमी बर्फ और चट्टानों

सकेगा? राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं के लिए गठित परीक्षा एजेंसी एनटीए के साथ पेपर लीक न रोक पाने के कारण धूल में मिल चुकी है। अदाणी समूह की कथित अनियमितताओं पर सट्टा कंपनी हिंडरसन की रिपोर्ट के बाद शेयर बाजार को नियामक संस्था सेबी को निशाना बनाया गया और सेबी प्रमुख का इस्तीफा मांगा गया। अदाणी समूह के शेयर तो साल भर में उबर गए, मगर इस विवाद के बाद से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से निरंतर पैसा निकाल रहे हैं। संभव है उनका भरोसा टूटने का मुख्य कारण 2024 में भाजपा का बहुमत हासिल न कर पाना या ट्रंप की टैरिफ जंग रहा हो, पर साख और भरोसे का चोली-दामन का साथ है। यदि विपक्ष की रणनीति सरकार और संस्थानों की साख गिराने की है तो सरकार को साख बहाल करने के उपाय करने चाहिए, क्योंकि साख गिरने से जनता और निवेशकों दोनों का भरोसा डिगता है। भरोसा टूटने पर निवेश और रुपया गिरने, पूंजी महंगी होने, महंगाई बढ़ने और अस्थिरता फैलने का खतरा बढ़ता है, जो विकास की गाड़ी पटरी से उतार सकता है। संवैधानिक संस्थाओं की साख बचाने और बहाल करने का दायित्व सरकार का है। वह चाहे तो एसआईआर का काम पारदर्शी तरीके से निपटा कर संसद और विधानसभाओं को भंग कर एक साथ ईवीएम और मतपत्रों से चुनाव करा सकती है, जिससे चुनाव आयोग और जनादेश की साख बहाल हो सके और आए दिन चुनावों की मुसीबत से छुटकारा मिले। राष्ट्रीयता रजिस्टर और समान नागरिक संहिता और आर्थिक सुधार के मुद्दों पर जनमत संग्रह कराया जा सकता है।

हिमालय को बचाने के लिए वैज्ञानिक निगरानी जरूरी

के बीच प्राकृतिक बंधन को कमजोर कर सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने अभी किसी एक कारण को निर्णायक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया है। इस आपदा ने मौजूदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों की सीमाएं ही उजागर की हैं। अधिकांश व्यवस्थाएं, वर्षा, नदी के जलस्तर और संभावित बाढ़ पर केंद्रित हैं। लेकिन जब हजारों मीटर की ऊंचाई से करोड़ों घनमीटर चट्टान और बर्फ अचानक टूटकर गिरती है, तब नीचे स्थापित जलस्तर मापक उपकरण पर्याप्त समय पहले चेतावनी देने में सक्षम नहीं होते। नेपाल की घटना में चेतावनी संदेश पहाड़ टूटने के लगभग 38 मिनट बाद भेजे गए। तब तक विनाशकारी प्रवाह कई प्रभावित बस्तियों से गुजर चुका था। यह चेतावनी भारत, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। फरवरी 2021 की ऋषिगंगा-धौलीगंगा आपदा में भी ऊंचाई पर चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटने से विनाशकारी बाढ़ उत्पन्न हुई थी। इस घटना ने तपोवन-विष्णुगढ़ परियोजना सहित नदी घाटी के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंचाई। केदारनाथ की 2013 की ज़ासदी और हिमालय की अन्य घटनाएं बताती हैं कि पर्वतीय आपदाओं का खरूप अलग-अलग हो सकता है, लेकिन निचले इलाकों में बसे समुदायों के लिए उनके परिणाम अत्यंत गंभीर होते हैं।

उत्तराखंड में वसुंधरा ताल जैसी संवेदनशील हिमनद झीलों की निगरानी की पहल उपयोगी है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को केवल झीलों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। ऊंचे पर्वतीय ढलानों, हिमनदों, अस्थिर चट्टानों और नदी घाटियों का संयुक्त जेोखिम मानचित्र तैयार करना होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के बीच नियमित वैज्ञानिक सम्मन्वन आवश्यक है। उपग्रहों से संवेदनशील ढलानों की पहचान करने के बाद वहां भू-संचलन मापक उपकरण, स्वचालित मौसम केंद्र, भूकंपीय संवेदक और नदी प्रवाह निगरानी प्रणालियां स्थापित की जा सकती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि वैज्ञानिक जानकारी केवल शोध संस्थानों तक सीमित न रहे। इसे जेोखिम के आधार पर वर्गीकृत करके प्रशासन, जलविद्युत परियोजनाओं, सीमावर्ती सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय समुदायों तक पहुंचाने की व्यवस्था होनी चाहिए। चेतावनी के साथ-साथ सुरक्षित स्थानों, निकासी मार्गों और नियमित अभ्यास की तैयारी भी जरूरी है। नेपाल, चीन और भारत के पर्वतीय जलामय क्षेत्र परस्पर जुड़े हुए हैं। इसलिए, उपग्रह आंकड़ों, मौसम संबंधी सूचनाओं और संभावित खतरों की समयबद्ध साझेदारी अनिवार्य है।

राज्य में बिजली की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह सज्ज

► मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ऊर्जा विभाग के साथ उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर बारीकी से समीक्षा की

► बिजली आपूर्ति बढ़ाने के लिए उठाए गए तत्काल कदमों तथा सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग को लेकर विस्तृत चर्चा हुई

► बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री, ऊर्जा राज्य मंत्री सहित वरिष्ठ सचिव शामिल हुए

► बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम तथा दीर्घकालीन योजना की दिशा में सरकार समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगी

► केन्द्रीय कोयला मंत्रालय ने नवंबर तक प्रतिदिन 10 से 11 रेलवे रैक और नवंबर से प्रतिदिन 13 से 14 रैक की आपूर्ति सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया

► राज्य के बिजलीघरों में कोयले का अधिकतम और कुशल उपयोग करने के लिए विशेष कार्रवाई शुरू की गई

► सेंट्रल जनरेटिंग थर्मल स्टेशन से 1300+ मेगावाट तथा हाइड्रो स्टेशन से 1200+ मेगावाट बिजली राज्य को आवंटित की गई है, जो वर्ष 2028-29 से चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगी

► वर्ष 2031-32 की बिजली आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सेंट्रल जनरेटिंग थर्मल स्टेशन से अतिरिक्त 5000+ मेगावाट बिजली आवंटित करने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया

गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में राज्य में ऊर्जा क्षेत्र में लगातार बढ़ रही बिजली की माँग और आपूर्ति की स्थिति की व्यापक समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस आयोजित बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल, राज्य मंत्री श्री कौशिकभाई वेकरिया तथा मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार दास मुख्यमंत्री निवास पर उपस्थित रहे।

राज्य में किसानों, उद्योगों और आम नागरिकों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए तत्काल कदमों और भविष्य की मजबूत योजना को लेकर बैठक में

विस्तृत चर्चा-विमर्श किया गया। इस बैठक में हाल ही में दर्ज की गई बिजली की माँग को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा किए गए सघन प्रयासों के संबंध में प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। बिजली की माँग के प्रमुख कारणों के विवरण में कहा गया कि 16 अक्टूबर 2026 को राज्य में अब तक की सर्वाधिक 29,822 मेगावाट बिजली की माँग दर्ज की गई थी। यह माँग पिछले वर्ष अक्टूबर महीने में दर्ज 21,822 मेगावाट की तुलना में 36.6 प्रतिशत अधिक है। इतना ही नहीं; 16 अक्टूबर 2026 को राज्य की दैनिक बिजली खपत 574 मिलियन यूनिट रही थी, जबकि पिछले वर्ष अक्टूबर महीने में यह खपत 457

मिलियन यूनिट थी। इससे पता चलता है कि बिजली की खपत में लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह भी कहा गया कि राज्य में कुल आपूर्ति की गई बिजली में से पीजीवीसीएल में लगभग 30 प्रतिशत, डीजीवीसीएल में 22 प्रतिशत, यूजीवीसीएल में 22 प्रतिशत, एमजीवीसीएल में 10 प्रतिशत और अन्य डिस्कॉम में 16 प्रतिशत खपत हुई है। इन सभी कारकों के परिणामस्वरूप सितंबर और अक्टूबर महीने के दौरान राज्य में बिजली की माँग पिछले वर्षों की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत (करीब 4,000 मेगावाट) बढ़ गई है। शाम 5 बजे से रात 11 बजे तक सूर्यास्त



के बाद सौर ऊर्जा का उत्पादन शून्य हो जाने और पवन ऊर्जा का उत्पादन अनियमित रहने के कारण माँग को पूरा करने के लिए सरकार कोयला और गैस आधारित संयंत्रों से निर्बाध बिजली आपूर्ति कर रही है। इसके साथ ही ग्रिड की प्रोक्वेसी और संतुलन बनाए रखने के लिए राज्य का लोड डिस्चैज सेंटर (एसएलडीसी) और बिजली वितरण कंपनियाँ दिन-रात लगातार कार्यरत हैं। इस वर्ष कमजोर मानसून और अल नीनो के प्रभाव के कारण तापमान लगातार ऊँचा बना हुआ है, जिससे रूम कूलिंग लोड में बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके बावजूद किसानों की खड़ी फसलों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त घंटों तक बिजली दी जा रही है, जिसके कारण कृषि लोड बढ़कर प्रतिदिन अधिकतम 12,000 मेगावाट तक पहुँच गया है। आगामी दिवाली के त्योहारों के कारण राज्य में औद्योगिक गतिविधियाँ तेज होने

से भी बिजली की माँग में वृद्धि हुई है। बैठक में जानकारी दी गई कि सामान्यतः अक्टूबर-नवम्बर में हाइड्रो पावर का अधिकतम उत्पादन उपलब्ध होता है, लेकिन गुजरात और पड़ोसी राज्यों में कम बारिश के कारण हाइड्रो पावर उत्पादन घटा है। साथ ही; हवा की गति कम रहने के कारण पवन ऊर्जा के उत्पादन में भी कमी दर्ज की गई है। राज्य सरकार ने ऐसी परिस्थितियों के बावजूद बिना किसी व्यवधान के बिजली उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार के समक्ष किए गए अनुरोध के तहत एनटीपीसी के फक्का प्लांट से नवंबर महीने के लिए 329 मेगावाट बिजली आवंटित की गई है। असम के केन्द्रीय विद्युत उत्पादन के हिस्से से दीर्घकाल के लिए 551 मेगावाट बिजली प्राप्त हुई है। वर्तमान में अनुबंधित एनटीपीसी के वाइ-1 और दादरी-1 थर्मल पावर स्टेशनों से 716 मेगावाट बिजली के अनुबंध की अवधि एक वर्ष बढ़ाकर मार्च 2028 तक कर दी गई है। राज्य सरकार द्वारा केन्द्र सरकार के अधीन बिजली उत्पादन के अन-एग्लोटेड हिस्से से अतिरिक्त 500 मेगावाट बिजली आवंटित करने की माँग की गई है। बैठक में यह भी कहा गया कि राज्य में उत्पादित लगभग 12,000 मेगावाट

सौर ऊर्जा का दिन के दौरान अधिकतम उपयोग हो और कृषि बिजली लोड का उपयोग केवल दिन के सौर घंटों में ही हो, इसके लिए एक मजबूत योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) और दीर्घकालीन योजना के संबंध में ऊर्जा विभाग द्वारा बनाई गई योजना की जानकारी देते हुए ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव ने कहा कि शाम के पीक आवस की माँग को पूरा करने के लिए विभाग ने अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए परियोजनाओं पर काम शुरू कर दिया है। दिन के दौरान उत्पादित सौर ऊर्जा का भंडारण करके शाम को उसका उपयोग करने के स्थायी समाधान के रूप में बीईएसएस की क्षमता बढ़ाई जा रही है। इस संबंध में उन्होंने कहा कि राज्य में वर्तमान में 192 मेगावाट की बीईएसएस प्रणाली कार्यरत है। 2,742 मेगावाट / 5,517 मेगावाट-घंटे क्षमता के लिए नए अनुबंध पूरे हो चुके हैं। मार्च 2027 तक 500 मेगावाट / 1,000 मेगावाट-घंटे क्षमता की क्षमता कार्यरत हो जाएगी। 1,000 मेगावाट / 4,000 मेगावाट-घंटे क्षमता की परियोजना के लिए निविदा प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है।

दीर्घकालीन योजना – केन्द्रीय आवंटन

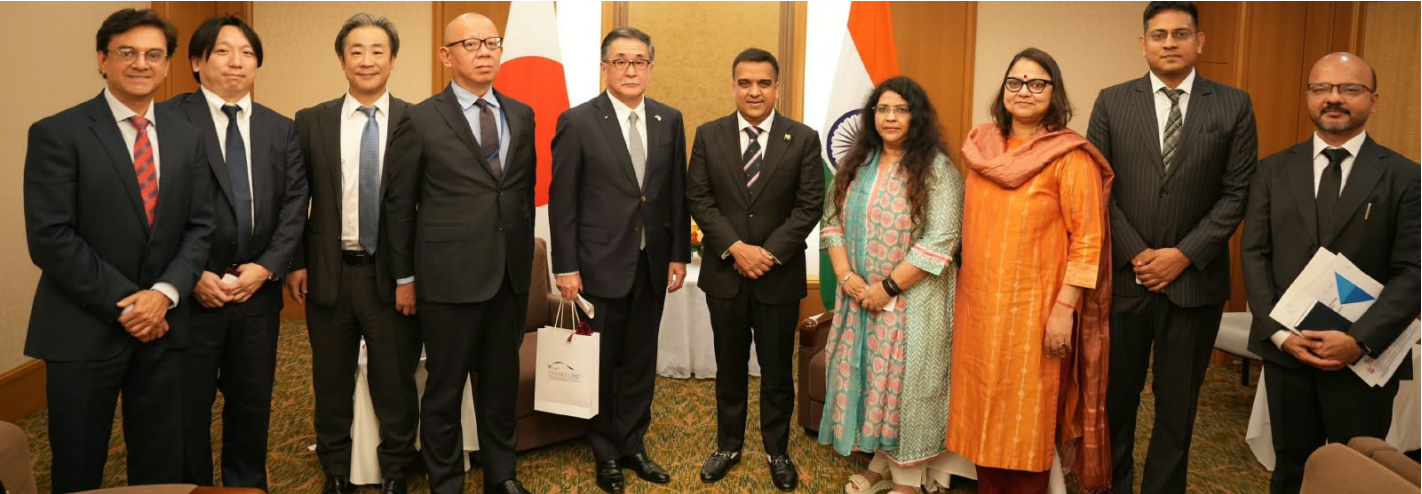
इस बैठक में राज्य में बिजली आपूर्ति और उत्पादन के संबंध में केन्द्र सरकार के सहयोग से बनाई गई दीर्घकालीन योजना पर भी विस्तृत चर्चा-विमर्श किया गया। इसमें कहा गया कि सेंट्रल जनरेटिंग थर्मल स्टेशन से राज्य को 1300+ मेगावाट बिजली आवंटित की गई है, जो वर्ष 2028-29 से चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगी। सेंट्रल जनरेटिंग हाइड्रो

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट अंतर्गत जापान दौरे पर गए उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी के टोक्यो में 20 अक्टूबर के मेगा इन्वेस्टमेंट एंगेजमेंट्स

उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में निप्पॉन स्टील, अल्ट्राफैब्रिक्स, कानेका और इतोचू कॉर्पोरेशन के साथ 4 महत्वपूर्ण बैठकें संपन्न हुईं

गांधीनगर : आगामी वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के अंतर्गत वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने और गुजरात-जापान के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए जापान दौरे पर गए उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में 20 अक्टूबर को टोक्यो और शिजुओका में कुल 7 आमने-सामने बैठकें, 2 सरकारी-द्विपक्षीय मुलाक़ातें, 1 टेक्सटाइल राउंडटेबल और 1 आधिकारिक डिनर सहित कुल 11 महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इनमें सुबह के पहले सत्र में उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में निप्पॉन स्टील, अल्ट्राफैब्रिक्स, कानेका और इतोचू कॉर्पोरेशन के साथ 4 महत्वपूर्ण आमने-सामने बैठकें सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं। 20 अक्टूबर के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार; दोपहर में उप मुख्यमंत्री शिजुओका के गवर्नर श्री यासुतोमो सुजुकी के साथ द्विपक्षीय संवाद करेंगे। इसके बाद फुजीफिल्म, याजाकी इंडिया तथा ग्रीन कार्बन के साथ बैठकें और टेक्सटाइल क्षेत्र के अग्रणी उद्योगपतियों के साथ 1 उच्चस्तरीय राउंडटेबल बैठक करने के बाद इंडिया हाउस में भारतीय राजदूत द्वारा आयोजित विशेष डिनर में उपस्थित रहेंगे। वाइब्रेंट गुजरात समिट के मंच के माध्यम से राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश लाने के उद्देश्य से 20 अक्टूबर के प्रारंभिक सत्र में



ही जापान की अग्रणी कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं। इसमें उप मुख्यमंत्री ने निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन कंपनी के मुख्यालय में अध्यक्ष श्री इजी हाशिमोतो के साथ शिफ्टाचार मुलाकात की तथा मैनेजिंग एजीक्यूटिव ऑफिसर श्री हिदेकी ओगावा और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्टील उत्पादन क्षेत्र में गुजरात में विस्तार को लेकर सार्थक चर्चा की। इसके बाद अल्ट्राफैब्रिक्स होल्लिंग्स कंपनी के प्रेसिडेंट श्री योशिमुरा के साथ सिंथेटिक लेदर और संबंधित क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाओं को लेकर विचार-विमर्श हुआ। इसके अलावा कानेका कॉर्पोरेशन कंपनी के प्रेसिडेंट श्री इसाव ओत्सु के साथ केमिकल और

लाइफ साइंस क्षेत्र में गुजरात के साथ साझेदारी मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। दूसरी ओर; इतोचू कॉर्पोरेशन के टेडिंग और ग्रीन इनोवेशन बिजनेस यूनिट के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ ग्रीन एनर्जी और वैश्विक व्यापार क्षेत्र में सहयोग स्थापित करने को लेकर बातचीत हुई। इसके अलावा; प्रतिनिधिमंडल द्वारा हाइरोसो के साथ क्लाउड कंप्यूटिंग और ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण बैठक की गई। दिन के दूसरे चरण में उप मुख्यमंत्री बुलेट ट्रेन के माध्यम से शिजुओका पहुँचेंगे। शिजुओका प्रीफेक्चरल गवर्नमेंट बिल्डिंग में वे शिजुओका के गवर्नर श्री यासुतोमो सुजुकी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे

और गुजरात तथा शिजुओका के बीच औद्योगिक विकास, आधुनिक टेक्नोलॉजी और संयुक्त सहयोग के संबंध में चर्चा करेंगे। साथ ही; उन्हें वाइब्रेंट गुजरात समिट में शामिल होने के लिए निमंत्रण भी देंगे। इसके अलावा; टेक्सटाइल क्षेत्र के जापानी निवेशकों और उद्यमियों के साथ 'टेक्सटाइल प्लेयर्स के साथ राउंडटेबल' आयोजित की जाएगी, जिसमें गुजरात के आधुनिक टेक्सटाइल इकोसिस्टम, नई टेक्सटाइल नीति और वैश्विक निर्यात के अवसरों को प्रस्तुत कर उन्हें वाइब्रेंट गुजरात में भाग लेने का अनुरोध किया जाएगा। 20 अक्टूबर के दिन के अंत में जापान में भारत के माननीय राजदूत द्वारा 'इंडिया हाउस' में उप मुख्यमंत्री और प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में विशेष डिनर आयोजित किया जाएगा।

के प्रतिनिधियों के साथ संवाद आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा; टेक्सटाइल क्षेत्र के जापानी निवेशकों और उद्यमियों के साथ 'टेक्सटाइल प्लेयर्स के साथ राउंडटेबल' आयोजित की जाएगी, जिसमें गुजरात के आधुनिक टेक्सटाइल इकोसिस्टम, नई टेक्सटाइल नीति और वैश्विक निर्यात के अवसरों को प्रस्तुत कर उन्हें वाइब्रेंट गुजरात में भाग लेने का अनुरोध किया जाएगा। 20 अक्टूबर के दिन के अंत में जापान में भारत के माननीय राजदूत द्वारा 'इंडिया हाउस' में उप मुख्यमंत्री और प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में विशेष डिनर आयोजित किया जाएगा।



गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में विजयादशमी महोत्सव में सहभागी होकर रावण दहन किया। मुख्यमंत्री ने आधुनिक तकनीक से रिमोट का बटन दबाकर मेघनाद, कुंभकर्ण और रावण के विशाल पुतलों का दहन किया। शांति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा

विजयादशमी महोत्सव-2026 अंतर्गत अहमदाबाद में डायरा और रावण दहन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साईराम दवे की टीम द्वारा डायरा प्रस्तुत किया गया। विजयादशमी महोत्सव में शहरी विकास राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, अहमदाबाद शहर के महापौर श्री

हितेशभाई बारोट, सांसद श्री हसमुखभाई पटेल, सांसद श्री दिनेश मकवाणा, स्थानीय विधायक, संत-महंत, श्री प्रेरकभाई शाह सहित राजनीतिक अग्रणी, अहमदाबाद महानगर पालिका के पदाधिकारी, शांति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख श्री संदीप बारोट और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

टाइगर श्रॉफ नहीं, किसी और बड़ी हस्ती को निशाना बनाना चाहते थे हमलावर

मुंबई/कोटा। बाँलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी के मामले में जांच के दौरान कई अहम जानकारीयें सामने आने का दावा किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपियों का मूल निशाना बाँलीवुड की कोई दूसरी बड़ी हस्ती थी, लेकिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण वे उस तक नहीं पहुँच सके। इसके बाद उन्होंने टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाया। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों की ओर से साझा की जाने वाली रील्स और तस्वीरों के जरिए अभिनेता की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई थी। उन्हें पता चला था कि टाइगर श्रॉफ के साथ आमतौर पर पुलिस सुरक्षा नहीं रहती। इसी आधार पर उन्होंने उन्हें अपेक्षाकृत आसान निशाना समझा। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। वहीं, मामले में गिरफ्तार तीनों आरोपियों को कोटा से सड़क मार्ग के जरिए मुंबई ले जाया गया है। गोलीबारी की घटना के बाद अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। मुंबई पुलिस की टीम गिरफ्तार तीनों आरोपियों को लेकर कोटा से रवाना हुई।

कोटा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुभाष चंद्र मिश्रा के अनुसार, रात में यात्रा करने से बचने के लिए पुलिस टीम आरोपियों के साथ कोटा में रुकी थी। इसके बाद उन्हें सड़क मार्ग से मुंबई ले जाने की प्रक्रिया शुरू की गई। आरोपियों को कोटा के रेलवे कॉलोनी पुलिस थाने में रखा गया था, जहाँ पूरी रात कड़ी निगरानी की गई। थाना प्रभारी रामस्वरूप ने बताया कि मामला गंभीर होने के कारण सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे सीधे पुलिस मुख्यालय से जुड़े हुए हैं, जिससे निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाए रखा गया। आरोपियों को मुंबई ले जाने के बाद वहां उनसे आगे की पृष्ठताछ और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जाएगी। जांच एजेंसियाँ इस बात का पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपियों ने कथित तौर पर पहले किसी दूसरी बड़ी हस्ती को निशाना बनाने की योजना क्यों बनाई थी और सुरक्षा व्यवस्था के कारण उनकी रणनीति में बदलाव कैसे हुआ। सोशल मीडिया के जरिए किसी व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रखने की बात सामने आने के बाद यह पहलू भी जांच के दायरे में है कि आरोपियों ने कितने

समय तक जानकारी जुटाई और उन्हें किस-किस माध्यम से मदद मिली। पुलिस की जांच में आरोपियों के आपसी संपर्क, कथित योजना और घटना से पहले की गतिविधियों से जुड़े तथ्यों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, मामले में सामने आए दावों की अंतिम पुष्टि जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही हो सकेगी। टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी की घटना के बाद बाँलीवुड की दूसरी प्रमुख हस्तियों की सुरक्षा को लेकर भी सतर्कता बढ़ाई गई है। अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई है। मंगलवार को सलमान खान मुंबई के कलीना एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा के बीच दिखाई दिए। वह अपने कोटा के अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। हालांकि, सुरक्षा में किए गए बदलावों के विस्तृत विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। इस बीच महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा

नेता आशीष शेलार ने मंगलवार को बांद्रा स्थित टाइगर श्रॉफ के कार्यालय पहुँचकर उनसे मुलाक़ात की। उन्होंने अभिनेता का हालचाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इससे पहले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे रविवार देर रात टाइगर श्रॉफ के बांद्रा स्थित घर पहुँचे थे और उनसे मुलाकात की थी। गोलीबारी की घटना के बाद अभिनेता से मिलने के लिए राजनीतिक और फिल्म जगत से जुड़े लोगों की आवाजें भी चर्चा में रही। इन मुलाक़ातों के जरिए अभिनेता के प्रति समर्थन और चिंता व्यक्त की गई। घटना के बाद टाइगर श्रॉफ के पिता और अभिनेता जैकी श्रॉफ भी सोमवार को पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। वह दिवंगत गायक एवं संगीतकार बप्पू लाहिड़ी के सम्मान में आयोजित सड़क नामकरण समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। समारोह से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में जैकी श्रॉफ मुख्यमंत्री तथा अन्य लोगों के साथ दिखाई दिए। बेटे की कार पर गोलीबारी की घटना के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति बताई गई।

गांधीनगर : जापान के आईसी-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स-2026 में गुजरात के दाहोद की दृष्टिबाधित धाविका श्री तेजलबेन अमरजी डामोर ने महिला 200 मीटर टी12 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। स्पर्धा में अपने सर्वश्रेष्ठ समय के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धि हासिल की है। स्पोट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) के गांधीनगर स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही 24 वर्षीय श्री तेजलबेन ने हीट्स में 25.25 सेकंड का समय दर्ज कर फाइनल में स्थान प्राप्त किया था। इससे पहले सितंबर 2026 में दुबई पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में उन्होंने 25.47 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। श्री तेजलबेन ने अपनी सफलता का श्रेय कोच नितिन चौधरी को देते हुए कहा कि इस पदक के पीछे कोच की निरंतर मेहनत, अनुशासन और मार्गदर्शन का बड़ा योगदान है। संघर्षपूर्ण परिस्थितियों से आगे आई



सूरत के रेल नेटवर्क को मिलेगी नई रफ्तार, उत्राण बनेगा प्रमुख सैटेलाइट स्टेशन

55-रूट इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली शुरू, चार फुल-लेंथ प्लेटफॉर्म और अतिरिक्त लूप लाइनों से बड़ेगी ट्रेनों की संचालन क्षमता; 2 नवंबर तक ईएमयू व हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के संचालन की तैयारी

सूरत। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल ने सूरत के रेल नेटवर्क को अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सूरत स्टेशन पर बढ़ते यात्री दबाव को कम करने और भविष्य में ट्रेनों के संचालन की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से उत्राण स्टेशन को एक प्रमुख सैटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत स्टेशन पर आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली और यार्ड रीमॉडलिंग का महत्वपूर्ण कार्य पूरा कर लिया गया है। 19 अक्टूबर 2026 को स्टेशन पर 55-रूट वाली आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली सफलतापूर्वक चालू कर दी गई। इससे ट्रेनों की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित करने, परिचालन में विश्वसनीयता बढ़ाने और संरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। रेलवे ने उत्राण स्टेशन को 2 नवंबर 2026 तक ईएमयू तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के संचालन के लिए तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। चार फुल-लेंथ प्लेटफॉर्म, अतिरिक्त लूप लाइनें, उन्नत ट्रैक व्यवस्था और आधुनिक संचार प्रणाली से लैस यह स्टेशन आने वाले समय में सूरत क्षेत्र के रेल यातायात के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सूरत गुजरात के प्रमुख औद्योगिक और व्यावसायिक केंद्रों में शामिल है। कपड़ा उद्योग, हीरा कारोबार, व्यापारिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों के कारण यहां बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। शहर और आसपास के क्षेत्रों में आबादी तथा आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के साथ रेल यात्रियों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में सूरत

शिवा शर्मा मौत मामले में श्रद्धा दुबे गिरफ्तार, बहन और ड्राइवर भी दबोचे गए

लखनऊ/नागपुर। लखनऊ के कारोबारी और कैफे संचालक शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में करीब 11 दिनों से फरार चल रही मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रद्धा दुबे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 20 अक्टूबर को महाराष्ट्र के नागपुर में उत्तर प्रदेश एसटीएफ, लखनऊ पुलिस और नागपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने कारवाई करते हुए श्रद्धा के साथ उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश को भी पकड़ लिया। तीनों के खिलाफ लखनऊ के हजरतगंज थाने में हत्या का मामला दर्ज है। गिरफ्तारी से पहले पुलिस उनकी तलाश में कई स्थानों पर छापेमारी कर रही थी। इस दौरान आरोपियों के नेपाल जाने, उत्तर प्रदेश लौटने और आगरा पहुंचने की सूचनाएं मिली थी। जांच के दौरान आगरा में इस्तेमाल की गई ऐटैसकी से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस उनकी तलाश करते हुए नागपुर तक पहुंची। अब तीनों से पूछताछ के जरिए मामले की कड़ियों को जोड़ने और शिवा शर्मा की मौत के पीछे की परिस्थितियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

शिवा शर्मा की मौत 9 अक्टूबर को लखनऊ के अवध ग्रीन अपार्टमेंट में हुई थी। वह इमारत की चौथी मंजिल से नीचे गिर गए थे, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। घटना के बाद उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर सवाल उठने लगे। शिवा की मां रंजना शर्मा ने श्रद्धा दुबे और अन्य लोगों पर हत्या का आरोप लगाया था। उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद से ही श्रद्धा और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों, लोगों के बयानों और मृतक तथा आरोपियों के बीच संपर्कों की पड़ताल शुरू की। अब

दिल्ली एयरपोर्ट पर हवाई सफर करने वालों की संख्या में 5 फीसदी उछाल

नई दिल्ली। देश के सबसे व्यस्त हवाईअड्डे, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (आईजीआईए) पर हवाई यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में यहां से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 3.85 करोड़ पहुंच गई। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में यह आंकड़ा 3.67 करोड़ था। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों श्रेणियों में यात्री यातायात बढ़ने से हवाईअड्डे की परिचालन गतिविधियों में तेजी का संकेत मिला है। इस दौरान विमानों की आवाजाही में भी 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और कुल 2,33,331 विमानों का संचालन हुआ। हवाई यातायात में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में सामने आई है, जब देश में विमानन सेवाओं का विस्तार हो रहा है और प्रमुख शहरों के बीच यात्रियों की आवाजाही लगातार महत्वपूर्ण बनी हुई है।

जीएमआर एयरपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच दिल्ली हवाईअड्डे से कुल 3.85 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की। इनमें 2.81 करोड़ घरेलू और 1.04 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्री शामिल रहे। आंकड़ों से स्पष्ट है कि कुल यात्री यातायात में घरेलू यात्रियों की हिस्सेदारी अधिक रही, जबकि अंतरराष्ट्रीय



नई प्रणाली से स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकेगा। इसके साथ स्टेशन को चार लाइन से पांच लाइन वाले स्टेशन के रूप में उन्नत किया गया है। सूरत-उत्राण-कोसाड रेलखंड इंटरलॉकिंग प्रणाली का शुरू होना शामिल है। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अनुपम सक्सेना के अनुसार, यहां पहले 20-रूट वाली पैनल इंटरलॉकिंग प्रणाली काफ़ीरत थी, जिसे आधुनिक क्मोसान के5डी इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से बदला गया है। इंटरलॉकिंग रेलवे की ऐसी महत्वपूर्ण तकनीकी व्यवस्था है, जो ट्रेनों को सुरक्षित संचालन के लिए सिग्नल, पटरियों और पॉइंट्स के बीच समन्वय सुनिश्चित करती है। किसी ट्रेन को आगे बढ़ाने से पहले संबंधित मार्ग और सिग्नल की स्थिति के अनुरूप व्यवस्था काम करती है, जिससे परस्पर विरोधी मार्गों पर ट्रेनों को जाने से रोकने में मदद मिलती है। पुरानी व्यवस्था की तुलना में अधिक रूट संचालन में सक्षम

उत्राण स्टेशन के विकास में चार फुल-लेंथ प्लेटफॉर्म और अतिरिक्त लूप लाइनों की व्यवस्था भी अहम है। फुल-लेंथ प्लेटफॉर्म का उद्देश्य निर्धारित लंबाई की यात्री ट्रेनों को समाोजित करने की सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे स्टेशन पर ट्रेनों को खड़ा करने, यात्रियों के चढ़ने-उतरने और आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त सेवाओं के संचालन की योजना बनाने में मदद मिल सकती है। अतिरिक्त लूप लाइनों से एक ट्रेन को मुख्य लाइन से हटाकर निर्धारित ट्रैक पर खड़ा करने की सुविधा मिलती है, जिससे दूसरी ट्रेनों की

रात में बाल खेलकर सोएं, चोटी बनाएं या जूड़ा? जानिए बालों की सेहत के लिए कौन-सा तरीका है सबसे बेहतर

मोबाइल चैट और कॉल डिटेल्स के जरिए घटना से पहले और बाद में आरोग्यों तथा शिवा के बीच संपर्कों की जानकारी जुटाई जा सकती है। इसके साथ ही पुलिस अन्य संबंधित लोगों के बयान दर्ज कर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट करना होगा कि शिवा चौथी मंजिल से किस परिस्थितियों में नीचे गिरे और उस समय वहां कौन-कौन मौजूद था। श्रद्धा दुबे की बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर की तनवीर अली उर्फ दानिश की गिरफ्तारी के बाद पुलिस तीनों की भूमिका अलग-अलग जांच सकती है। जांच का उद्देश्य यह निर्धारित करना होगा कि घटना में तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब उनके सफर, आपसी संपर्क और घटना के बाद की गतिविधियों से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। इस मामले में श्रद्धा दुबे का पक्ष भी जांच के दौरान महत्वपूर्ण रहेगा। श्रद्धा ने सोशल मीडिया पर खुद को निर्दोष बताते हुए दावा किया था कि शिवा शर्मा कर्ज और मानसिक तनाव से परेशान थे। उनके इस दावे और शिवा की मां की ओर से लगाए गए हत्या के आरोपों के बीच पुलिस को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी होगी। फिलहाल किसी एक पक्ष के दावे को अंतिम निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि घटना से पहले शिवा और श्रद्धा के बीच क्या बातचीत हुई थी, दोनों के बीच किसी स्थिति कैसी थी और घटना के समय अपार्टमेंट में क्या परिस्थितियां थीं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल चैट, कॉल डिटेल्स और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज से घटनास्थल के आसपास की गतिविधियों और संबंधित लोगों की आवाजाही का पता लगाने में मदद मिल सकती है।

गुजरात समिट अंतर्गत उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने टोक्यों में ‘निप्पॉन स्टील’ के अध्यक्ष के साथ उच्च स्तरीय बैठक की

गुजरात में स्टील उत्पादन क्षमता और औद्योगिक विस्तार को लेकर सकारात्मक चर्चा की



गांधीनगर : आगामी वाइब्रेट गुजरात ग्लोबल समिट अंतर्गत वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए जापान दौरे दर्शाता है। देश की राजधानी होने के कारण दिल्ली हवाईअड्डा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क केंद्र है। यहां से देश के विभिन्न शहरों के साथ-साथ विदेशों के अनेक गंतव्यों के लिए भी उड़ानों का संचालन होता है।

निप्पॉन स्टील के मुख्यालय में उप



है। इसके आधार पर सिग्नलिंग व्यवस्था को ट्रेनों की स्थिति के अनुरूप संचालित किया जा सकता है। दोहरी व्यवस्था का उद्देश्य संबंधित हिस्सों में निगरानी और परिचालन की विश्वसनीयता को मजबूत करना है। रेलवे ने सूरत-उत्राण और उत्राण-कोसाड के बीच दोहरी ऑप्टिकल फाइबर केबल के माध्यम से इंटर केबिन संचार सुविधा भी विकसित की है। इससे संबंधित परिचालन केंद्रों के बीच संचार मिल सकती है। स्टेशन की सिग्नलिंग व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूरे यार्ड में दोहरी ट्रेन-डिटेक्शन प्रणाली विकसित की गई है। परियोजना की तहत 32 ट्रैक सेक्शन में एमएसडीएसी के समानांतर डीसीटीसी व्यवस्था की गई है, जबकि तापी मेजर ब्रिज के दो ट्रैक सेक्शन में दोहरी एमएसडीएसी प्रणाली स्थापित की गई है। इसके अतिरिक्त आंटो सेक्शन में आठ ट्रैक सेक्शन शामिल किए गए हैं। ट्रेन-डिटेक्शन प्रणाली का काम संबंधित ट्रैक सेक्शन पर ट्रेन की मौजूदगी का पता लगाने में मदद करना

रात में बाल खेलकर सोएं, चोटी बनाएं या जूड़ा? जानिए बालों की सेहत के लिए कौन-सा तरीका है सबसे बेहतर

बाल व्यवस्थित रहते हैं और रातभर उनमें होने वाला घर्षण कुछ हद तक कम हो सकता है। लंबे बालों वाली महिलाओं के लिए यह समस्या जरूरी है कि बालों को बांधने का तरीका भी उनकी सेहत को प्रभावित कर सकता है। बहुत टाइट चोटी या जूड़ा बनकर सोने से बालों की जड़ों पर लगातार खिंचाव पड़ता है। यदि रोजाना बालों को इसी तरह कसकर बांधा जाए, तो समय के साथ बालों के टूटने और खिंचाव के कारण झड़ने की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए सोते समय बालों को आरामदायक स्थिति में रखना चाहिए। ढीली चोटी बनानी चाहिए या जूड़ा बांधकर सोना चाहिए? सौंदर्य विशेषज्ञ शहनाज हुसैन के अनुसार, इसका जवाब बालों की लंबाई, उनकी बनावट और उनकी स्थिति पर निर्भर करता है। हालांकि, बालों को बहुत कसकर बांधने के बजाय ढीली चोटी बनाना या रेशम अथवा साटन के हेयर कवर का इस्तेमाल करना बेहतर हो सकता है। बालों की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए उनकी सफाई, पोषण और नियमित देखभाल के साथ रात की दिनचर्या पर ध्यान देना भी जरूरी है। दिनभर धूल, प्रदूषण, धूप और स्टाइलिंग उत्पादों के संपर्क में रहने के बाद बालों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता हो सकती है। रात में सोते समय बालों पर लगातार घर्षण पड़ने से उनकी बाहरी परत के नुकसान पहुंच सकता है। खासकर लंबे बालों में यह समस्या अधिक देखने खुलासा अभी नहीं हुआ है। पुलिस की जांच पूरी होने और साक्ष्यों के सामने आने के बाद ही इस सवाल का जवाब मिल सकेगा। फिलहाल नागपुर से हुई गिरफ्तारी के बाद जांच का दायरा आरोपियों की पूछताछ, उनकी गतिविधियों और घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों के विश्लेषण पर केंद्रित रहेगा। इससे

स्टेशन के विद्युतीकरण से संबंधित बुनियादी ढांचे में भी सुधार किया गया है। रेलवे ने ओवरहेड इन्फ्रामेंट यानी ओवरचर्ड प्रणाली को मजबूत करने के लिए 24 ओवरचर्ड पोर्टल बदले और 25 नए ओवरचर्ड मास्ट लगाए हैं। विद्युतीकृत रेलखंड पर ट्रेनों के संचालन के लिए ओवरहेड उपकरण महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इनके माध्यम से इलेक्ट्रिक इंजनों को बिजली की आपूर्ति होती है। ऐसे में संबंधित ढांचे का रखरखाव और आवश्यक बदलाव परिचालन की विश्वसनीयता के लिए महत्वपूर्ण हैं। परियोजना के अंतर्गत कर्मचारियों की सुविधाओं पर भी ध्यान दिया गया है। नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग भवन को 12 बिस्तरों वाला रनिंग रूम बनाया गया है। इससे ड्यूटी के दौरान आवश्यक विश्राम करने वाले रेल कर्मचारियों को सुविधा मिलेगी। आधुनिक तकनीकी ढांचे के साथ कर्मचारियों के लिए बेहतर व्यवस्था विकसित करनी भी स्टेशन के समग्र उन्नयन का हिस्सा है।

रेलवे की योजना के अनुसार, उत्राण स्टेशन को 2 नवंबर 2026 तक ईएमयू और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के संचालन के लिए तैयार करने का उद्देश्य केवल ट्रेनों की आवाजाही बढ़ाना नहीं, बल्कि स्टेशन पर आने वाले यात्रियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी तैयार करना है। विशेष ट्रेनों के संचालन के दौरान टिकट उपलब्धता, प्लेटफॉर्म तक पहुंच और यात्रियों

रात में बाल खेलकर सोएं, चोटी बनाएं या जूड़ा? जानिए बालों की सेहत के लिए कौन-सा तरीका है सबसे बेहतर

रख सकते हैं। मुख्य उद्देश्य बालों पर अनावश्यक खिंचाव और घर्षण को कम करना होना चाहिए। रात में बालों को सुरक्षित रखने के लिए सिल्क या साटन का हेयर कवर भी एक अच्छा विकल्प है। इसे लगाने से बाल नैीद, नियमित सफाई और बालों के साथ से सीधे रगड़ खाने की संभावना कम हो जाती है। खासकर लंबे, घने, घुंघराले या आसानी से उलझने वाले बालों के लिए यह उपयोगी हो सकता है। हेयर कवर चुनते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि वह सिर पर बहुत टाइट न हो और बालों को दबाए नहीं। उसे साफ रखना भी जरूरी है, ताकि पसीने, तेल और उत्पादों के अवशेष जमा न हो। यदि हेयर कवर पहनना आरामदायक नहीं लगता, तो ढीली चोटी और चिकनी सतह वाले तकिये के कवर का विकल्प अपनाया जा सकता है। किसी एक तरीके को सभी प्रकार के बालों के लिए सबसे अच्छा नहीं कहा जा सकता, क्योंकि बालों की लंबाई, घनत्व और बनावट के अनुसार जरूरतें अलग-अलग होती हैं। बालों के रूखेपन से परेशान लोगों के लिए सोने से पहले हल्के हेयर सीरम का इस्तेमाल भी मददगार हो सकता है। सीरम बालों की सतह को चिकना बनाने, उलझान कम करने और कंघी करते समय होने वाले घर्षण को घटाने में मदद कर सकता है। यदि बाल बहुत रूखे हैं, तो उनकी लंबाई और सिरों पर थोड़ी मात्रा में भी रूखापन, घुंघरालापन या टूटने की समस्या हो सकती है। ऐसे में मुलायम तकिये के कवर का इस्तेमाल और सोने से पहले बालों को हल्के हाथों से सुलझाना फायदेमंद हो सकता है। जिन लोगों के बाल मध्यम लंबाई के हैं, वे अपनी सुविधा और बालों की बनावट के अनुसार ढीली चोटी बना सकते हैं या बालों को खुला

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में विजयादशमी पर्व पर शस्त्र पूजन किया

मुख्यमंत्री ने शस्त्र पूजन कर शस्त्र एवं शास्त्र की रक्षा के महत्त्व को उजागर किया

गांधीनगर, 20 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विजयादशमी के पावन पर्व पर गांधीनगर स्थित मुख्यमंत्री निवास पर शास्त्रोक्त विधि से शस्त्र पूजन करके भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा को बनाए रखा। असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक इस विजयादशमी पर्व पर शस्त्र पूजन की परंपरा के माध्यम से उन्होंने शस्त्र और शास्त्र की रक्षा तथा उनके महत्त्व को उजागर किया।

मुख्यमंत्री ने अपनी सुरक्षा-व्यवस्था में ड्यूटी निभाने वाले सुरक्षाकर्मियों के शास्त्रों का मुख्यमंत्री निवास परिसर में शस्त्रोक्त विधि से पूजन किया और सभी सुरक्षाकर्मियों को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सुरक्षाकर्मियों को प्रेरणादायी मार्गदर्शन देते हुए कर्तव्य, कर्तव्यभावना और कर्मयोग के महत्त्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि रक्षा और सुरक्षा का दायित्व निभाने के साथ संवेदना, करुणा और सत्कर्मों की भावना बनाए रखते हुए कर्तव्यपथ पर



निरंतर कार्यरत रहना ही सच्चा कर्मयोग और कर्तव्यनिष्ठा है। कर्तव्यपालन के साथ मानवीय मूल्यों का संरक्षण और सर्वकों के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नति का विचार भी जीवन में उताना ही महत्त्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा-व्यवस्था की जिम्मेदारी संचालने वाले पुलिस अधीक्षक श्री तेजस पटेल ने शस्त्र पूजन के अवसर पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की सुरक्षा-व्यवस्था में ड्यूटी निभाने वाले

के उद्देश्य को व्यवस्था महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में सिग्नलिंग तथा यार्ड से जुड़े कार्यों के साथ यात्री सुविधाओं का विकास स्टेशन को प्रभावी सैटेलाइट केंद्र बनाने के लिए जरूरी होगा। हालांकि, निर्धारित तरीख तक स्टेशन को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है और सेवाओं के वास्तविक संचालन का समय रेलवे की आगे की तैयारियों तथा परिचालन संबंधी निर्णयों पर निर्भर करेगा। कुल मिलाकर, उत्राण स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली की शुरुआत और यार्ड रीमॉडलिंग का पूरा होना सूरत के रेल नेटवर्क के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 20-रूट वाली पुरानी प्रणाली को जगह 55-रूट वाली नई व्यवस्था, पांच लाइन वाला स्टेशन ढांचा, चार फुल-लेंथ प्लेटफॉर्म, अतिरिक्त लूप लाइनें, दोहरी ट्रेन-डिटेक्शन प्रणाली और बेहतर विद्युत एवं संचार सुविधाएं स्टेशन की परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए तैयार की गई हैं। इन व्यवस्थाओं का लाभ सभी पूरी तरह सामने आएगा, जब यात्री सुविधाएं और निर्धारित ट्रेन सेवाओं की योजनानुसार शुरू होंगी। यदि तय कार्यक्रम के अनुसार उत्राण स्टेशन ईएमयू जाना है। इसके लिए प्लेटफॉर्म, सबवे तिक पहुंच, अस्थायी टिकट बुकिंग और यात्रियों के उद्देश्य से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराने का उद्देश्य केवल ट्रेनों की आवाजाही बढ़ाना नहीं, बल्कि स्टेशन पर आने वाले यात्रियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी तैयार करना है। विशेष ट्रेनों के संचालन के दौरान टिकट उपलब्धता, प्लेटफॉर्म तक पहुंच और यात्रियों

रात में बाल खेलकर सोएं, चोटी बनाएं या जूड़ा? जानिए बालों की सेहत के लिए कौन-सा तरीका है सबसे बेहतर

से बचना चाहिए। किसी भी उत्पाद से खुजली, जलन या एलर्जी होने पर उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। बालों की अच्छी सेहत के लिए केवल रात में उन्हें बांधना या खोलकर रखना ही पर्याप्त नहीं है। संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, नियमित सफाई और बालों के साथ कोमल व्यवहार भी जरूरी है। गीले बाल अपेक्षाकृत नाजुक हो सकते हैं, इसलिए उन्हें बहुत कसकर बांधकर या अत्यधिक गीले अवस्था में सोने से बचना बेहतर है। सोने से पहले बालों को धीरे-धीरे सुलझाएं और जरूरत के अनुसार उन्हें सुखने दें। कंघी करते समय जोर से खींचने के बजाय सिरों से शुरूआत करके धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ें। यदि बाल असामान्य रूप से झड़ रहे हों, तो उनकी मांग चौड़ी होती जा रही हो या स्कैल्प पर खुजली और पपड़ी की समस्या लगातार बनी हुई हो, तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित है। कुल मिलाकर, रात में बालों को खुला रखना, ढीली चोटी बनाना या हेयर कवर पहनना, तीनों विकल्प सही परिस्थितियों में उपयोगी हो सकते हैं। लंबे बालों के लिए ढीली चोटी या आरामदायक लिए सोने से पहले हल्के हेयर सीरम का इस्तेमाल भी मददगार हो सकता है। सीरम बालों की सतह को चिकना बनाने, उलझान कम करने और कंघी करते समय होने वाले घर्षण को घटाने में मदद कर सकता है। यदि बाल बहुत रूखे हैं, तो उनकी लंबाई और सिरों पर थोड़ी मात्रा में भी रूखापन, घुंघरालापन या टूटने की समस्या हो सकती है। ऐसे में मुलायम तकिये के कवर का इस्तेमाल और सोने से पहले बालों को हल्के हाथों से सुलझाना फायदेमंद हो सकता है। जिन लोगों के बाल मध्यम लंबाई के हैं, वे अपनी सुविधा और बालों की बनावट के अनुसार ढीली चोटी बना सकते हैं या बालों को खुला

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में विजयादशमी पर्व पर शस्त्र पूजन किया

मुख्यमंत्री ने शस्त्र पूजन कर शस्त्र एवं शास्त्र की रक्षा के महत्त्व को उजागर किया

गांधीनगर, 20 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विजयादशमी के पावन पर्व पर गांधीनगर स्थित मुख्यमंत्री निवास पर शास्त्रोक्त विधि से शस्त्र पूजन करके भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा को बनाए रखा। असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक इस विजयादशमी पर्व पर शस्त्र पूजन की परंपरा के माध्यम से उन्होंने शस्त्र और शास्त्र की रक्षा तथा उनके महत्त्व को उजागर किया।

मुख्यमंत्री ने अपनी सुरक्षा-व्यवस्था में ड्यूटी निभाने वाले सुरक्षाकर्मियों के शास्त्रों का मुख्यमंत्री निवास परिसर में शस्त्रोक्त विधि से पूजन किया और सभी सुरक्षाकर्मियों को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सुरक्षाकर्मियों को प्रेरणादायी मार्गदर्शन देते हुए कर्तव्य, कर्तव्यभावना और कर्मयोग के महत्त्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि रक्षा और सुरक्षा का दायित्व निभाने के साथ संवेदना, करुणा और सत्कर्मों की भावना बनाए रखते हुए कर्तव्यपथ पर

उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस निरीक्षक, पुलिस उपनिरीक्षक, कर्मांदों तथा वाहन चालकों सहित सुरक्षाकर्मों उपस्थित रहे और शस्त्र पूजन में सहभागी बने। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री निवास पर विजयादशमी के पर्व पर शस्त्र पूजन करने की यह परंपरा यशस्वी प्रधामंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शुरू कराई थी, जिसे आज भी पारंपरिक श्रद्धा और कर्तव्यनिष्ठा की भावना के साथ बनाए रखा जा रहा है।